مقبول شاہ کرالہ واری
گل ریز
Condensed & Rewritten in Devanagari Kashmiri :
M.K.Raina
مرتبہ محمد یوسف ٹینگ

==========

मकबूल शाह क्रालुवार्य सुंज़ लीछिमुच़ मसनवी

दास्तान-ए-गुलरेज़

==========

Source: 'Gulrez' - compiled by Mohd. Yousuf Teng and 'Kashmiri Zaban Aur Shairi, Vol: 3' - authored by Abdul Ahad Azad, publications of J&K Academy of Art, Culture & Languages, Srinagar.

Condensed & Rewritten in Devanagari-Kashmiri by M.K.Raina

Work completed on 1.1.2005. Updated 15.11.2005

परिचय

मसनवी गुलरेज़ को कश्मीरी साहित्य में एक उत्तम स्थान हासिल है। मकबूल शाह क्रालवारी की यह मसनवी कश्मीरियों में जितनी लोकप्रिय हुई, उतनी और कोई मसनवी नहीं हो सकी। यद्यपि मकबूल शाह क्रालवारी से पहले महमूद गामी ने फारसी साहित्य की दूसरी प्रसिद्ध रचनायें जैसे यूसुफ ज़ुलेखा, लैला मजनून, शीरीं खसरौ आदि को कश्मीरी पैरावे में ढाल कर मसनवी को एक ऊंचा स्थान दिलाया, लेकिन मकबूल शाह की यह रचना उन सब से भिन्न और उन सब से ऊपर है। गुलरेज़ के बारे में मुहम्मद यूसुफ टेंग साहब लिखते हैं कि यह मसनवी वास्तव में कश्मीरी साहित्य की दुल्हन की मांग का टिका है। इस बात से भी किसी को इनकार नहीं कि मकबूल शाह की यह रचना मूल फारसी रचना से भी बहुत आगे निकल गई है। टेंग साहब के खयाल में जिन साहित्यकारों ने मकबूल के बाद भी फारसी रचनावों को कश्मीरी ज़बान में पेश किया, वह भी मकबूल की बराबरी नहीं कर सके।

गुलरेज़ की दास्तान मूलतः फारसी भाषा में ज़िया उद्दीन नख्शबी ने लिखी है। यह दास्तान इतिहास से सम्बन्धित कोई घटना नहीं है बल्कि एक काल्पनिक कथा है। मकबूल शाह क्रालवारी ने इस दास्तान को कश्मीरी काव्य का रूप कब दिया, निश्चित रूप से कुछ नहीं कहा जा सकता। एक अनुमान के मुताबिक मकबूल शाह ने गुलरेज़ १८८७ में लिखी जब उन की आयु लगबग ५० साल की थी। कुछ लोगों का खयाल है कि उन की मृत्यु १८९७ में हुई जब वह तकरीबन ६० साल के रहे हूंगे। लेकिन हामदी कश्मीरी के खयाल में मकबूल शाह १८२० में पैदा हुऐ और १८५५ में ३५ साल की छोटी आयु में ही चल बसे। एक और प्रसिद्ध साहित्यकार अब्दुल अहद आज़ाद का कहना है कि मकबूल शाह की मृत्यु १८७५ में हुई।

मकबूल शाह का जन्म बडगाम तहसील में नागाम के निकट एक गांव क्राल वारी में हुआ। उन के पिता का नाम ख्वाजा अब्दुल कदूस था। मकबूल को पीर मुरीदी का काम अपने पिता से विरासत में मिला लेकिन अपनी बीमारी की वजह से वह इस काम में पूरा ध्यान न दे सके। मकबूल शाह को मिली जागीर में दो तीन गांव भी थे लेकिन वहां के निवासी खुद बहुत गरीब थे। इसलिये उन की तरफ से भी मकबूल शाह को कोई राहत नहीं मिली। नतीजा यह हुआ कि कोई खास आमदनी न होने की वजह से उन्हें ज़बरदस्त गुरबत ने आ घेरा। अपनी बेचारगी को मकबूल शाह ने कुछ इस तरह ज़ाहिर किया है :

पज़रान गुलन आरुवलन हाय गरीबी
गाशस छॅ करान गटु, तापस छ़ाय गरीबी

मकबूल शाह की दरिद्रता का यह आलम था कि छोटी मोटी मदद के लिये भी वह सरकारी अफसरों के पास कविता में लिखी हुई याचना लेकर जाते और उन्हें सुनाते। इस सिलसिले में उन की कविता के रूप में लिखी हुई एक याचना जो फारसी भाषा में लिखी गयी है, बहुत मशहूर है। यह याचना उन्हों ने एक सरकारी मुलाज़िम पंडित अमर नाथ को पेश की थी जिस में उन्हों ने अपनी फसल को महफूज़ करने के लिये सरकार से प्रार्थना की थी।

गरीबी से तंग आकर मकबूल शाह ने आखिरकार थोडे में ही गुज़ारा करना सीखा और अपनी किस्मत को ईश्वर के हवाले कर दिया:

यि म्याने कुसमतु तॅम्य् आसि ल्यूखमुत
ति वात्यम तॅस्य अथ्यन यॅम्य आसि जॉखमुत

मकबूल शाह बचपन से ही बीमार रहते थे। बाद में उन्हें टी बी हुआ। वह दूध और फालूदा खाकर गुज़ारा करते थे। समय गुज़रते उन का जिगर भी कमज़ोर होने लगा। अपने अंतिम दिनों में वह नमक भी नहीं खा सकते थे। अपने दुख का हाल उन्होंने कुछ इस तरह से बयान किया है:

इल्लतौ छुस हेरि ब्वन आवुरमुतन
ज़िल्लतन मॅसीबतन तल ह्योतमुतन
कांह ति म्वकुलन पाय छुम नु च़े सिवा
या मुहम्मद मुसतफा बख्शुम शफा

गुरबत, लाचारी और बीमारी के अलावा भी कुदरत ने मकबूल शाह के लिये बहुत कुछ लिखा था। बहुत समय तक मकबूल के अपनी कोई औलाद नहीं हुई। मजबूर होकर उस ने अपने भतीजे मुस्तफा शाह को गोद लिया। मुस्तफा शाह भी उच्च स्तर की शायिरी

करता था। उस की एक कविता से लिये गये यह पद उस की मधुर रचनाओं का अनुमान कराती हैं।

मस चॉवुथस मयखानु, जानानु यिहम ना ।
व्यसुरॉवुथस मस्तानु, जानानु यिहम ना।।
मे रोय होवुथ दूरि दिल ह्यथ च़ोलुहम च़ूरो ।
फलवा गॅयस देवानु, जानानु यिहम ना।।
कस निशि लोगुय रस, किथु त्रॉवुथस बेकस ।
बेगानु छी हमखानु, जानानु यिहम ना।।

मगर अभी मुस्तफा शाह पूरी तरह खिल भी नहीं पाया था कि कुदरत ने उसे १८-२० साल की आयु में ही इस दुनिया से उठा लिया। मुस्तफा शाह की मृत्यु से मकबूल की हालत और भी खराब हो गई। उन की बिगडती हालत का अंदाज़ा उन की मसनवी से ही ली गई इस पंक्ति से बखूबी होता है:

शगूफस शीन गुलज़ारस कृहुन प्योम
या
हॉंदुर लॉगिथ नॅंदुर पॉविथ च़ोलूहम, फिराका ललुवुन थॉविथ च़ोलूहम
खरीदारो कम्यू बाज़ारु छ़ारथ, मे तावन पोवथम कमि वानु गारथ

इस तरह की ज़िंदगी गुज़ारते हुये भी मकबूल शाह किस तरह गुलरेज़ जैसी शाहकार मसनवी लिख सके, इस बात पर सब को हैरत हैं। शोहरत और लोकप्रियता के लिहाज़ से कश्मीरी साहित्य में मसनवी गुलरेज़ का वही स्थान है जो फारसी शायिरी मे जामी की यूसुफ ज़ुलेखा और निज़ामी की शीरीन खसरौ को हासिल है, या दीवानों में दीवाने हाफिज़ शीराज़ी को हासिल है। कश्मीरियों में गुलरेज़ कितनी लोकप्रिय हुई, इस का अनुमान इस बात से लगाया जा सकता है कि १९४६ तक इस मसनवी के १८ संस्करण बिक चुके थे। तब से लेकर आज तक इस किताब के कितने ही और संस्करण छप कर बिक चुके हैं।

मुस्तफा शाह की असमय मौत से मकबूल शाह टूट चुका था। शायद कुदरत की तरफ से भी उन की यह हालत न देखी गई और आगे चल कर उस के अपने दो बच्चे हुऐ, एक लडकी और एक लडका। लडकी की शादी कलाशपोरा, श्रीनगर के एक पीरज़ादा खानदान में हुई थी। लडके का नाम पीर अली शाह था। कहते हैं मकबूल शाह की मृत्यु के समय पीर अली शाह की आयु केवल ६ महीने की थी। इस बात से यह अंदाज़ा लगाया जा सकता है कि मकबूल शाह ६० साल की आयु में नहीं बल्कि ३५ साल की आयु में ही गुज़र गये हूंगे और गुलरेज़ भी उन्होंने छोटी आयु में ही लिखी होगी।

गुलरेज़ के अलावा मकबूल शाह ने जो रचनाऐं लिखी, उन में ग्रीस्य् नामु, बहार नामु, पीर नामु, मनसूर नामु व यूसुफ ज़ुलेखा प्रसिद्ध हैं। अब्दुल अहद आज़ाद ने उन की दूसरी कविताओं का संग्रह कुलियाते मकबूल के नाम से भी प्रकाशित किया है। कहा जाता है कि मकबूल शाह ने आब नामु, बे-बूझ नामु और नार नामु नाम से तीन और किताबें लिखी हैं, मगर उन का कोई अता पता नहीं है। गुलरेज़ केवल मकबूल शाह का सब से बडा कारनामा ही नहीं है बल्कि कश्मीरी साहित्य में भी इसे एक ऐसा स्थान हासिल है जिस की बराबरी शायद ही कोई और मसनवी कर सके।

मकबूल शाह क्रालुवारी की मसनवी गुलरेज़ पूरी की पूरी काव्य रूप में है जिस की भाषा मिश्रित कश्मीरी और फारसी है। हम गुलरेज़े की कथा को संक्षिप्त कश्मीरी गद्य रूप में ढाल कर आप के सामने प्रस्तुत कर रहे हैं ताकि देवनागरी-कश्मीरी पढने वाले लोग भी मकबूल शाह की इस रचना का आनन्द ले सकें। मसनवी के कुछ ऐसे महत्वपूर्ण पद जो कश्मीरी भाषा में हैं और जो कहानी की निरंतरता को बरकरार रखने में सहायक हैं, उन को कहानी में शामिल किया गया है। इन पदों को शामिल करने का एक उद्देश्य यह भी है कि पढने वाले को असली मसनवी की मधुर शैली का कुछ हद तक अंदाज़ा हो जाये।

इस मसनवी में एक कविता उस घटना को दर्शाती है जब कहानी की नायिका नोश लब नींद से जाग जाती है और नायक अजब मलिक को पास में न पाकर विलाप करती है। यह प्रसिद्ध कविता *'सुबुह फॉल, बुलबुलव तुल शौरो गौगाह, गॅयस बेदार मुज़र्यम चॅश्मे शहला'*, जिसे कश्मीरी काव्य में एक उच्च स्थान हासिल है और जो कश्मीरियों में बहुत ही लोकप्रिय है, इस संक्षिप्त रूपांतर में भी पूरी की पूरी पढने को मिलेगी। प्रसिद्ध लेखक श्री टी.एन.कौल इस कविता के बारे में लिखते हैं :

"(It is) a masterpiece of sorts and the most splendid example of his (Karalwari's) art, which has remained unsurpassed so far. The 60 odd couplets

deftly absorb and express the passionately intense yearning, pain and anguish ever suffered by a woman in Kashmir's literary history, Habba Khatoon and Arnimal notwithstanding."

दास्तान-ए-गुलरेज़

☯ मॉसूम शाह तु ख्वश रंग जानावार ☯

नखश्ब शहरस मंज़ ओस अख बादशाह। नाव ओसुस तैफूर शाह। तैफूर शाहस ओस माल जादाद स्यठाह मगर औलाद ओसुस नु कांह। औलादु सुंदि खॉतरु रूद सु द्वहस रातस ख्वदायस कुन ज़ारु पारु करान। ऑखुरकार गॅयि तसुंज़ मुराद पूरु तु तस ज़ाव अख लॅडकु।

दुआ तॅम्य् सुंद सपुन अज़ हक इजाबथ
कोरुन तस ताज़ु फरज़ंदाह इनायथ
थनु प्यव माजि निशि ज़न काजकुय रौ
वुछिथ तैफूर शाह मसरूर क्याह गौ

लॅडुकस आव नाव थवनु मॉसूम शाह। शाहज़ादु ओस स्यठाह ज़ॅहीन। तस आयि थदि कुसमुच तरबियथ दिनु तु सॉरी ह्वनर तु कमाल हेछिनावनु। अकि द्वह ओस सु अख रॅंगीन महफिल सजॉविथ बिहिथ:

द्वह अकि मजलिसाह रॅंगीन व आला
कॅरुन बरपाये बा अरकानि वाला
ज़ि हर गूनाह मय्यसर ऑश थोवुन
रबाबो मतरबो मय मंगुनोवुन

मॅजलिसि मंज़ ऑस्य साज़ वज़ान तु ख्वश यिवुन्य नगमु ऑस्य जॉरी। अॅथ्य मंज़ पेयि मॉसूम शाहस पशस कुन नज़र। अति वुछुन अख ख्वश रंगु जानावार बिहिथ।

दरीचि किन्य कोरुन बामस नज़ारा
अजब ख्वश रंग ड्यूटुन जानवारा

शाहज़ादस आव यि जानावार स्यठाह पसंद तु सु गव तस रटनु खॉतरु बेताब। दरबार्यव येलि शाहज़ादु सुंज़ बेकरॉरी वुछ, तिमव ह्येत सु जानावार रटनुक संज़ करुन। दरबार्यव वॅर्य तस रटनु खॉतरु रंगु रंगु छ़ल। कुसमु कुसमुक्य् दानु त्रॉविहॅस, मगर जानावार लोग नु ज़ालस।

दोपुस फीरिथ वॅज़ीरव ऐ जहांदार
करव क्याह अॅस्य रटुन अॅम्य् सुंद छु दुशवार

व्वन्य् ह्योत जानावारन वुडव करनुक संज़ करुन। शाहज़ादु गव ज़्यादय बेकरार। तॅम्य ह्योत पनुन वछ च़ेटुन। सु गव यकदम थोद वॅथिथ। तसुंदिस ताजस लॅज ग्राय तु तमि मंज़ु पेयि केंह म्वख्तु दानु पथर। म्वख्तु वुछिथ तुज जानावारन वुफ तु वोथ म्वख्तु खेनु खॉतरु ब्वन कुन।

वुछिथ दुरदानु बोर जानावरन चाव
गुज़ा तस ओस ती, तथ प्यठ वॅसिथ आव

जानावारु सुंद हाल वुछिथ सपुद दरबार्यन इतमीनान तु तिमव वोन शाहज़ादस कुन, 'व्वन्य् त्रॉविव तोह्य वसवास। असि लोब अॅमिस जानावारु सुंद ख्वराक। व्वन्य छु यि रटुन स्यठाह आसान।' दरबार्यव वाहरोव ज़ाल तु तथ मंज़ थॅविख म्वख्तु पॅल्य। जानावार लोग म्वख्तु खेनि तु दरबार्यव रोट सु ज़ालस अंदर।

ब-रगबत जानुवारन म्वख्तु ह्योत ख्योन
ज़ि तमाहे खाम नफसन ज़ालु लोगुन

अमि पतु आव सु जानावार अॅकिस पंजरस मंज़ बंद वॅरिथ थवनु। शाहज़ादु मॉसूम शाह छु व्वन्य् दुनियाह त्रॉविथ अॅमिस जानावारु सुंदिस पंजरस ब्रोंठु कनि ब्यहान तु तस मुदय गॅंडिथ वुछान रोज़ान। केंह काल गॅछ़िथ त्रोव जानावारन ख्यन चन। शाहज़ादन अनुनॉव्य् रंगु रंगु म्वख्तु तु दितिन तस खेन्य। मगर जानावार सपुद नु किहिन्य ति ख्यनस तयार।

मॉसूम शाह सपुद स्यठाह गमगीन। तॅम्य ह्योत द्वह तु रात वदुन। जानावारन येलि मॉसूम शाहुन यि हाल वुछ, तॅम्य ह्योत तस इनसानन हुंद्य पॉठ्य मोदरि ज़बानि मंज़ पृछुन ज़ि च़े क्याज़ि त्रोवुथ म्यानि खॉतरु दुनियाह तु गरुबार।

☯ जानावार छु पनुन हाल बावान ☯

जानावारन वोन मोसूम शाहस ज़ि हरगाह बु पनुनि असल शक्लि मंज़ आसुहॉ, बु करुहॉ शाहज़ादु सुंद गम दूर। मगर बु छुस वुन्यक्यन जानावारु सुंदिस सूरतस मंज़, बु क्याह ह्यकु तॉरीफव वरॉय वॅरिथ। जानावारस इनसानु सुंद्य पॉठ्य कथु करान वुछिथ गव मॉसूम शाह हॉरान। तॅम्य वोन जानावारस ज़ि सु बॉविन पनुन हाल।

दोपुन तस जानवारस बहरे लिल्लाह
सिरस पुनिस मे करतम वारु आगाह

जानावारन कोर कॅह वनुनस साफ इनकार:

दोपुस तॅम्य् जानवारन तोरु फीरिथ
वनय क्याह सिर पनुन, गछि फाश नीरिथ
मे य्वद मारख, जुदा अज़ तन गछ़यम सर
ति छुम बेहतर, तु सिर बावुन नु बेहतर

शाहज़ादु सुंद इसरार रूद जॉरी। मगर जानावार गव नु पनुन सिर बावुनस तयार:

वुनिस तामथ कोरुम नु कांह खबरदार
च़ु छुख तवु निश द्वहन द्वन च़्वन हुंदुय यार
वनय य्वद सिर पनुन बूज़िथ ह्यकख नु
च़ु हरगिज़ ताबेह फहमीदन अनख नु

बु य्वदवय बावु बा मुरदम पनुन हाल
गछ़न सँगीन दिल वॉलिंजि परकाल

शाहज़ादन ह्योत नु पथ कॅह। येलि नु तॅम्य् थफ़ुय तुज, जानावार सपुद मजबूर तु ह्योतुन वनुन:

बु पॅज़्य् किन्य द्वख्तरे शाह पॅरी छस
बुर कॅरमुच़ च़ेय ही अॅक्य जाफरी छस

'बु छस पॅरिस्तानुकि शहर बैयतुल-अमानुच बादशाह कूर। नाव छुम नोश लब। मॉलिस छुम नाव मशहूर शाह तु माजि छुम नाव गुलबदन बेगम।' यिथु पॉठ्य सपुज़ नोश लबि हुंज़ कथ शुरू।

☯ नोश लबि हुंज़ कथ ☯

तुरकिस्तानस मंज़ ओस शाह बहगर्द नावुक अख बॉड बादशाह। तस ओस अख नेचुव यस नाव ओस अजब मलिक।

प्रज़लवुन ऱ्वख तसुंद ज़न माहे ताबां
वुछिथ काकल तसुंद्य सुंबल परेशान

अजब मलिक ओस बेयन शाहज़ादन खोतु ज़्यादु ऑकुल। तस ओस मजलिस आरॉयी करनुक स्यठाह शोख तु रॅफीकन तु ऑकुलन मंज़ ब्युहुन ओस तस सख पसंद। अकि द्वह ओस सु यिथय पॉठ्य मजलिसि मंज़ बिहिथ ज़ि तस सपुद कम्युक ताम गमंड।

ब-खॉतिर गव तॅमिस यिछ़ बज़मे बे गम
मे रोस्तुय आसि कुस वोथमुत ब आलम

वॅज़ीरन कुन दोपुन छुव बूज़मुत ज़ांह
मे ह्यू छा ओसमुत कांह शाह ज़ादाह

वॅज़ीरव वॅरिहॅस स्यठाह तॉरीफ। दोपहॅस अज़ ताम छुनु कांह अखाह ति दर दुनिया च़े ह्यू वोथमुत। अमि पतु हेत्य तिमव प्रथ आयि अजब मलिकुन्य तॉरीफ करुन्य्। तसुंदि हुस्नुक्य तॉरीफ, तसुंदि कदुक्य तॉरीफ, तु तसुज़ि अक्लि हुंद्य तॉरीफ। अजब मलिक ओस तॉरीफ बूज़िथ स्यठाह ख्वश। मगर मजलिसि मंज़ ओस अख बुडु शख्साह। तस ओस नु वॅज़ीरन हुंज़ि कथि सुत्य यितिफाक। तॅम्य वोन वॅज़ीरन ज़ि तुहुंद वनुन छु सोरुय गलत। अगर तोहि पॅज़्य पॉठ्य कॉंसि हुंदि हुसनुक्य तॉरीफ बोज़ुन्य् छिवु, तेलि बूज़िव मे निशि।

सिफत हुस्नुक्य मे निश तुह्य बूज़्तव व्वन्य
दपन कथ हुस्न, दम दिथ बूज़्तव व्वन्य
ब आलम छुस नु वुन्यक्यन कांह ति सॉनी
बनेमुच़ तस छे हुस्नुच मेहरबॉनी

अमि पतु हेत्य् बुडु शख्सन अॅकिस ज़नानि हुंद्य तॉरीफ करुन्य। तसुंद हुस्न, तसुंद कद, तसुंद्य ख्वखसार, तसुंद्य ज़ूल्फ, तसुंद ड्यकु, तसुंज़ु बुमु, तसुंज़ु चेश्मु, तसुंद्य वुठ, तसुंद्य दंद, तसुंद्य गरदन, तसुंद सीनु, तसुंद्य अथु, तसुंद कमर, तसुंद्य कोठ्य, ज़ंगु तु ख्वर, गरज़ प्रथ कुनि तानुक्य तॉरीफ हेत्य तॅम्य तमि आयि करुन्य ज़ि बोज़न वॉल्य गॉयि मसहूर।

बुर तिमु चेश्मु डीशिथ गॅय यॅंबुरज़ल
च़ॅलिथ गॅयि हरनु, हांगल लॅग्य ब जंगल
अवेज़ान छिस प्रज़लुवन्य गोशि वाराह
निवान तिम ग्रायि सुत्यन होश वाराह
तसुंज़ गरदन वुछिथ शर अॅंज़ुन्यन गव
ख्यवान अफसूस, वन रॅट्यमुत्य छि हरनव

तमि पतु वोन तॅम्य बुडु शख्सन ज़ि तस हुस्नुचि पॅरी छु नाव नोश लब तु दुनियाहस मंज़ छुनु कांह तस बराबर।

अजब मलिकन येलि नोश लबि हुंद नाव तु तसुंदि हुस्नुक्य् तॉरीफ बूज़्य सु गव देवानु।

ति बूज़िथ गव स्यठाह शहज़ादु बेताब
खयाले ऐश-ो-शॉदी गव तॅमिस खाब

तसुंदिस दिलस मंज़ आव गॉयबानु पॉठ्य नोश लबि हुंद लोल बरनु। तस रोव दिलुक स्कून तु बेकरार सपदिथ प्रुछ़ तॅम्य बुडस तमि मुल्कुक नाव येति नोश लब रोज़ान ऑस। बेयि यि ज़ि स्व छा आदम किनु पॅरी ?

☯ शाहज़ादस छु नोश लबि हुंद लोल सॅनिथ गछ़ान ☯

बुडन येलि शाहज़ादु सुंद इसरार वुछ, तॅम्य द्युतुस जवाब:

दॉपुस तॅम्य बुड्य, जज़ीरस मंज़ छु मुल्खाह
तम्युक आबो हवा बिसियार दिल ख्वाह
पॅरिस्तानाह अजायिब दर जहां छुय
च़्यतस थव नाव तथ बैयतुल-अमान छुय
पॅरी पैकर बसान तथ जायि गाहस
दपान मशहूर शाह छुख नाव शाहस
कुनी छस कूर यस छुस नोश लब नाव
ति बूज़िथ शाहज़ादन कूत बॉर चाव

अजब मलिक सपुद नोश लबि हुंद दर्शुन करनु खॉतरु व्वन्य बेताब। तस रोव दिलुक करार तु सु ह्यॉतुन नोश लबि हुंदिस लोलस मंज़ देवानु गछुन।

व्वलो माशोकु मोरुस दूरिरन चॉन्य
कॉरुस अज़ दिल बु आवारु ड्यकु लॉन्य
मे न्यूथम च़ूरि दिल रूज़िथ च़े दूरे
ललुवुन छुम ज़लुवुन नार मूरे

अजब मलिकुन्य् हालत वुछिथ द्युत बादशाहन तसुंज़ि दिल बहलॉयी खॉतरु साज़ो नगमुच महफिल सजावनुक हॊकुम। सेतार व संतूर लॅग्य वज़नि मगर शाहज़ादस लोग नु कुनि सुत्य दिल। तस ऑस सिर्फ नोश लब अॅछन तल। शाहज़ादु ओस खून हारान तु व्यदाख दिवान। तॅम्य अनुनोव बुडु शख्स बेयि नाद दिथ तु कॉरनस ज़ारु पारु ज़ि नोश लबि हुंज़ वनतम बेयि कांह कथाह। शाहज़ादु सुंज़ हालत वुछिथ सपुद बुडस स्यठाह अफसूस। तॅम्य वॅर पानस मलामत ज़ि मे क्याज़ि वॅन्य नोश लबि हुंज़ कथ शाहज़ादस। व्वन्य गोछुम नु शाहज़ादु सुंद मार खसुन मटिः

करेयम क्याज़ि यिछ़ कथ पार यथ आम
च़ॅजिम कथ प्वख्तु ऑसिथ द्रास बो खाम

बुडन ह्यॅच़ शाहज़ादस गांगल करनु खॉतरु तस अख नॅव दॅलील बोज़ुनावुन्य, मगर शाहज़ादु ओस नु बेयि किहिन्य बोज़नु खॉतरु तयार। सु ओस सिर्फ नोश लबि सुत्य मुलाकात करुनस बेकरार।

व्वलो अॅश्को अॅछन अंदर करय जाय
मे कॉरथम क्याह गमुक ज़ोलानु दरपाय

चु य्वदवय आशकन प्यठ तीर त्रावख
ब यक तीरे निगाह लछ खून हारख

अजब मलिक रूद द्वहस रातस नोश लबि मुतलिकुय सोंचान तु रिवान। तसुंज़ हालत हेचुन वारु वारु खराब सपदुन्य। तसुंद्य सॉरिय वॅज़ीर क्योहो रॅफीक गॅयि तस समजावुनस मंज़ तु अमि नारु मंज़ु कडुनस मंज़ नाकाम। अजब मलिकस ऑस अकॉय कथ सनेमुच़

ज़ि मे कर सपदि पनुनिस माशोकु सुंद दीदार। अमि वरॉय ओस नु सु किहिन्य ह्यकान सूंचिथ।

छाव गुल रोयि गुलज़ार, हाव दीदार लॅतिये
थाव कन बोज़तम ज़ार, हाव दीदार लॅतिये
सु चोन ऑयीनु ख़वखसार, वुछिथ गॅय गुल ति मॅतिये
मे थोवथम बर जिगर खार, हाव दीदार लॅतिये

आखुरस गव यिमय नालु दिवान दिवान अजब मलिक ब्यमार तु प्यव दर बिस्तर। नॅदुर रॉवुस तु ख्यन चन मोठुस। द्वह पतु द्वह ह्योतुन तस पान ह्वखुन। वॅज़ीरव कॅर बादशाहस शेछ।

खबर दिह़ शाह बहगर्दस वॅज़ीरव
जिगर गोशि तुहुंद बेमार अज़ गव

बादशाह आव लारान लारान। शाहज़ादु वोथ नु मॉलिस वुछिथ थोद कॅह तु न कोरनस तसलीम। तस ऑस्य जामु च़ॅटिथ तु बुथिस मातम। नेचिव सुंद हाल वुछिथ ह्योत बादशाहन अॅछव किन्य खून हारुन। तॅम्य बुलोव अख दाना तु कॉबिल हॅकीम मॅहल खानस मंज़।

कोरुन रॉही हॅकीमे तेज़ दॉनिश
च़ु वुछतस नब्ज़ करतस आज़मॉयिश

हॅकीमस ओस स्यठाह तजरुबु। तॅम्य् वुछ शाहज़ादस नब्ज़। हेरि प्यठु ब्वन ताम दिह़नस नज़र। मगर शाहज़ादस मंज़ आव नु कुनि कुसमुक कांह जिस्मॉनी दोद लबनु। हॅकीमस ओस नु शाहज़ादु सुंद अँदरिम दोद मोलूम। तॅम्य ह्योक नु शाहज़ादस यलाज वॅरिथ।

हॅकीमस अॅश्कुनुय दोद गव नु मोलूम
यलाजुच वथ लॅबुन नु गव सु महरूम

शाहज़ादन वोनुसः

दोपुस तॅम्य ऐ तबीबे तेज़ फितरत
यियी कर अॅश्कु दॉदिस रास हिकमत
मे अॅश्कुन दोद छुम क्या यथ छु चारु
ज़ि दरदे यार गोमुत छुस अवारु

हॅकीमस येलि शाहज़ादु सुंदि असली दाद्युक पय लोग, सु गव बादशाहस यि शेछ बावनि। बादशाहन प्रुछुस अम्युक यलाज। हॅकीमन वोनुस ज़ि कांह त्युथ रॅफीक गछि शाहज़ादस निश सोज़नु युन, युस तस निशि यि राज़ नोन कडि। येलि यि पताह लगि ज़ि शाहज़ादस कसुंद अॅश्कु दोद छु, तेलि ह्यकव तसुंदि दाद्युक यलाज छाँडिथ। बादशाहन बुलोव अख दाना वॅज़ीर। दोपुनस, चु गछतु शाहज़ादु सुंद हमदर्द बॅनिथ तु तस निशि अनतु तसुंदि दाद्युक राज़ वॅंडिथ।

☯ वॅज़ीर छु शाहज़ादस समखान ☯

वॅज़ीर वोत शाहज़ादस निशि तु लोग यि मोलूम करनि ज़ि शाहज़ादस वॅम्य्सुंद दोद छु। माय लॉगिथ वोनुनस ज़ि मे करतु पनुनिस सिरस वॉकुफ।

वोन वॅज़ीरन शाहज़ादसः

गोमुत कस छुख चु आशक बावतम सिर
करन च़ेय ब्रोंठकुन दरहाल हॉज़िर
बु वालन आसि य्वद प्यठ आसमानस
दिमय छॉरिथ अॅनिथ सॉरिस जहानस

वॅज़ीरु सुंज़ि रफाक़ॅच़ सुत्य गव शाहज़ादु नर्म। तॅम्य बॉव स्व सॉरुय दॅलील वॅज़ीरस, य्वसु तॅम्य् बुडस निशि बूज़मुच़ ऑस। वॅज़ीर गव हॉरान तु परेशान। तॅम्य ओस न तस बादशाह सुंद नाव ज़ांह बूज़मुत तु न काँसि नोश लबि हुंद। वॅज़ीरस गव यकीन ज़ि बुडन छि शाहज़ादस अपुज़ दॅलीलाह वॅन्यमुच़। तॅम्य ह्यॊत शाहज़ादु समजावुन।

वुनिस ताम काँसि हुंज़ि ज़ेवि छुनु द्रामुत
न नामे नोश लब दर गोश च़ामुत
गुमान छुम बुड्य गलत वॊनमुत छु बे शख
अजब मलिकस ति बूज़िथ खॅच़ स्यठाह च़ख

अजब मलिकुन्य च़ख वुछिथ वॊन वॅज़ीरन शाहज़ादस कुनः

दुबारु शाहज़ादस दॊप वॅज़ीरन
छु कर शायान शाहन तय अॅमीरन
ज़नानन हुंद रटुन दर दिल मुहब्बत
कनव बोज़ुन गछुन बरबाद तथ पथ

शाहज़ादस गव नु वॅज़ीरु सुंदि समजावनु सुत्य कांह असर। शाहज़ादु रूद पनुनि कथि प्यठ डॅटिथ। वॅज़ीरन लॉज तस ज़नानन हुंज़ि बे वफॉयी प्यठ अख दॅलील वनुन्य।

☯ हज़रत ईसा तु जवान ☯

दपान अकि द्वह ओस हज़रत ईसा वति पकान। ॲकिस जायि वॉतिथ वुछ तॅम्य अख मरगुज़ार तु पोरुन तति फातेह। मरगुज़ारस मंज़ वुछुन अख जवान इनसाना वदान। जवान ओस स्यठाह कमज़ोर तु नोतुवान। वॅद्य वॅद्य आसु तस ॲछ स्वतेमच़ु तु बासान ओस ज़ि द्वखव दाद्यव छु सु पूर पॉठ्य वोलमुत। हज़रत ईसा गव तस जवानस ब्रोंठकुन तु प्रुछ़नस

वदनुक वजह। जवानन दॊपुनस मे ऑस टॉठ तु रॅफीक ज़नानु, स्वय गुज़रेयम। बु छुस तसुंदि दादि गॊलमुत तु तवय छुम मातम।

व्वं छुस प्रारान क्जा कुनि किन्य यियम ना
ब-जल्दी तस रॅफीकस निश नियम ना
तॅमिस रॊस्तुय यियम क्याह ज़ुव मे दरकार
तॅमिस रॊस्तुय लसुन म्योनुय छु दुशवार

जवानु सँद्य व्यदाख बूज़िथ आव हज़रत ईसा हस स्यठाह आर। जवानस दॊपुन ज़ि मे हाव स्व कबर येति स्व दफन छि। यि बूज़िथ तंबुल्यव जवान। तस डॅल्य मगुज़ तु रोवुस ह्यसुय। ॲथ्य मच़रस मंज़ कॊर तॅम्य ॲकिस कबरि कुन इशारु।

हज़रत ईसा गव तथ कबरि प्यठ तु कॊरुन म्वरदु ज़िंदु। कबर प्रॉटिथ द्राव तमि मंज़ु अख यहूद्य। यहूद्य सुंद जिस्म ओस दज़ान नारस मंज़ तु बदन ओसुस सियाह गोमुत। यि वुछिथ प्रुछ़ हज़रत ईसाहन तस ज़ि च़ु कथ प्यठ छुख यिथिस अज़ाबस लॊगमुत।

दॊपुस तॅम्य तोरु या ईसा वंदय जान
गॊमुत ओसुस ज़ि दुनिया ना मुसलमान
च़ु ऑनुनख खॉलिकन व्वन्य म्यानि बापथ
दपुम वॅकलिमु च़ल्यम द्यव दागि लानथ

हज़रत ईसाहन परुनोव यहूद्य वॅकलिमु तु बनोवुन मूमिन। अमि पतु प्रुछ़ हज़रत ईसाहन जवानस ज़ि च़ु ओसुख वनान अथ कबरि मंज़ छि चॉन्य्ज़नानु, तु कति छय? च़े वॊनुथु मे अपुज़, किनु कबर हॉवुथम गलथ? जवानन दॊपुस, बु ओसुस डॊलमुत तु मे हॉव गलथ कबर। अमि पतु हॉव जवानन हज़रत ईसाहस असली कबर। हज़रत ईसा गव तथ कबरि निशि तु वॅरुन दुआ। कबरि मंज़ु द्रायि अख खूबसूरथ ज़नानु न्यबर। जवानस फ्यूर बुथिस रंग तु बॉच़व द्वयव बॊर अख ॲकिस स्यठाह लोल।

जवानन तस दॊपुन माशोकु म्याने,
मे ऑसिम पारु गॉमुत्य दादि चाने

जवान तु तसुंज़ ज़नानु युथुय गरु कुन हेतिन पकुन्य, तिमन गॅयि पादशाह सुंद्य सिपाह नज़रि। अमि मुल्कुक शाहज़ादु, यस सॉरिस नाव ओस, ओस गरदिश वॅरिथ वापस मॅहल खानस कुन पकान। तस पेयि जवानु सुंज़ि ज़नानि प्यठ नज़र। तसुंद हुस्न वुछिथ सपुद शाहज़ादु बेताब। हुपॉर्य पेयि तस ज़नानि ति शाहज़ादस कुन नज़र तु तस ति गव दिल नीरिथ। शाहज़ादन वॊन जवानस ज़ि च़ु छुख च़ूर। च़े दिच़ुथ मॅहल खानस सन। यि ज़नानु छि म्यॉन्य वॅनीज़ तु च़े छथन यि म्यानि महलु खानु मंज़ु च़ूरि नीमुच़।

जवानस शाहज़ादन दॊप च़ु छुख च़ूर
दिच़ुथ सन मॅहल खानस, छा यि दस्तूर

जवानन गँड्य शाहज़ादस गुल्य। दॊपुनस बु छुस नु च़ूर। यि छि म्यॉन्य ज़नानु तु यि ऑस स्यठाह कालुच मूमुच़। अज़ हॉव ख्वदायन पनुन्य् क्वदरथ तु वॅरुन यि ज़िंदु। शाहज़ादस खोत सख ख्शमु।

दॊपुस शाहज़ादन ऐ दुज़दे तबाहकार
मूलय अज़ जानि ख्वद छुय नु यिवान आर
तुलुस थफ वथ पनुन्य रठ नतु मारथ,
अथु त्राव व्वन्य नतु बरदार खारथ

जवानन त्रॉव ज़नानि कुन नज़र मगर स्व ऑस यीतिस कालस फीरिथ गॉमुच़। तमि वॊन शाहज़ादस ज़ि बु छस पॅज़्य पॉठ्य शाहे आलम सुंज़ वॅनीज़। बु ऍनिनस येम्य च़ूरन मॅहल खानु मंज़ु च़ूरि वॅडिथ। यि बूज़िथ च़ॅज जवानस ख्वरव तलु म्यॅच़ नीरिथ।

ज़नानि हुंज़ कथ बूज़िथ ह्यॊत जवानन पनुन वछ च़ेटुन मगर ज़नानि गव नु कांह असर। स्व द्रायि शाहज़ादस सुत्य। जवान पोक ज़नानि पतु पतु तु ह्योतुन ॲछव किन्य खून हारुन।

रिवॉनी तस कुनथ लोग करनि विलुज़ार
पॅयस शायद दिलस रहमा यियस आर

मगर ज़नानि प्यठ गव नु तसुंदि विलुज़ारुक कांह असर। स्व द्रायि शाहज़ादस सुत्य् तु पथ कुन दिचुन नु नज़र ति। जवानन ह्योत स्यठाह वदुन। अमि पतु गव सु बॅयि हज़रत ईसाहस निशि तु वॅनिन तस सॉरुय दॅलील। यि कथ बूज़िथ गव हज़रत ईसा स्यठाह हॉरतस। सु द्राव जवानस सुत्य तु वोत तस ज़नानि निशि। हज़रत ईसाहन दोप तस ज़नानि:

खबर छयि कुच खॉरी तुजुन च़ेय पथ
पतव लाकन च़ु द्रायख बद तॅबीयथ
परन प्यस बॅयि यि ॲमिसुय कुन टिकॉनी
ॲमी दॉवुय दुबारु ज़िंदगॉनी

ज़नानि वॅर हज़रत ईसाहस निशि ति स्वय अपुज़ कथ बयान ज़ि बु छस पादशाह सुंज़ वॅनीज़ तु ॲम्य् जवानन ऑसुनस बु च़ूरि नीमुच़।

ॲमिस सुत्यन बु शाहज़ादन प्रजुनस
बदौलत खानु पानस सुत्य ॲनिनस

यि बूज़िथ तुल हज़रत ईसाहन आसमानस कुन अथु तु कोडुन तस ज़नानि वोहव। ज़नानु पॅयि वॅसिथ तु बनेयस म्यॅच़।

☯ वॅज़ीर छु शाहज़ादस समजावान ☯

दॅलील बोज़नॉविथ वॊन वॅज़ीरन अजब मलिकस ज़ि वुछ तु तॅम्य जवानन कूच़ाह खॉरी तुज तस ज़नानि खॉतर्, मगर हॉसिल क्याह आस? ज़नानु छि बे-वफा आसान तु तस छनु माय रोज़ान।

ज़नानाह हॊल तु स्यॊद बोज़िय नु हरगिज़
ज़नानव ॲनिमुत्य दाना छि ऑजिज़

अमि पतु लॊग वॅज़ीर तस नॅसीहथ करनि ज़ि च़े छथन नु नोश लब ज़ांह वुछमुच़ुय तु न छुय तसुंद हुस्न वुछमुत। तॊलि कथ प्यठ छुख च़ु अफसूस तु आह करान? मगर अजब मलिकस गव नु असर कॆंह। तॅम्य वॊनुस दर जवाब ज़ि माशोक य्वदुवय बे वफॉयी ति करि, आशकु संज़ कॉम छॆ वफा करुन्य।

छ्वकु लद गोस दिल छुम होशि डॊलमुत
बु छुस तस यारु संज़ी मायि वॊलमुत
दिमस फॅरियाद लायस नाद यारस
कत्यथ छुम वतु वुछान पतु लारस

वॅज़ीरस तॊर फिकिरिह ज़ि शाहज़ादु छुनु कॉँसि हुंज़ कथ मानन वोल। सु द्राव वापस तु गव बादशाहस शाहज़ादु सुंद हाल बावुनि। बादशाह गव यि बूज़िथ स्यठाह परेशान। तॅम्य ॲन्य सॉरी दाना तु कॉबिल वॅज़ीर सॊंबरिथ तु प्रुछ़नख ज़ि कॉँसि छा दर दुनिया नोश लबि हुंद नाव बूज़मुत? तिमव द्युतुस जवाब ज़ि ॲस्य छि कोहिस्तानन, समंदरन, मॉदानन, जंगलन, गरज़ दुनियाहुकिस प्रथ अंदस फेरान रोज़ान। असि छु बिसियार मुल्कन हुंद सॉर कॊरमुत, मगर यि नाव छुनु असि कुनि ति जायि कनन गोमुत। पादशाह गव यि बूज़िथ स्यठाह गमगीन तु ह्यॊतुन अफसूस ख्यॊन।

कुनुय ओसुम कुनी वॉजिम वुनु मे
स्व नय आस्यम दिलुक राहत छुनु मे

☯ पादशाह छु शाहज़ादस निश यिवान ☯

पादशाह वोत खून हारान अजब मलिकस निशि। तॅमिस कोरुन दिलासा मदारा। सुती वॅरुनस नॅसीहथ।

अॅछन हुंदि गाशि हा ख्वश बाशि म्याने
यि क्याह ओसुय च़े ल्युखमुत करमु लाने
चु वनतम आॅश राहत क्याज़ि त्रोवुथ
ह्योतुथ मातम तु खलवथ खानु प्रोवुथ

पादशाह गव वनान। 'चु हरगाह दुनियुहुक कांह ति आॅश आराम वनख, सु करय मय्यसर। हरगाह ज़ून छांडख, स्व वालन बु चानि खॉतरु तारख ह्यथ ज़ॅमीनस प्यठ। मगर यसुंद च़े लोल सन्योय, तसुंद छुनु कांह नेबाह निशानाह। अगर चु तोति वनख, बु सोज़न पनुन सोरुय लशकर तस छांडुनस। तिम दिन वॅन्य सॉरिसुय आलुमस तु करन कूशिश तसुंद कांह पय पताह कडुनस। मगर चु संबालतु पनुन्य हालत। मे छि चॉन्य सूरथ वुछिथ दिलस खंजर वसान।'

शाहज़ादन द्युतुस जवाब:

छु लॉज़िम आश्कन लारुन अॅछव किन्य
ब हर दम खूने दिल हारुन अॅछव किन्य
ख्वरव सुत्यन पकुन छुनु शर्ते यॉरी
ब सर लारुन छु शर्ते दोस्तदॉरी

पादशाह गव स्यठाह दिल मलूल। तॅम्य वोनुस बेयि:

खबर च़ै छय दोयुम मा छुम मे गोबराह
कुनुय च़ु ओसुहम वनतम च़ै गोय क्याह
तवक्काह ऐ पिसर ओसुम मे चोनुय
च़ु थावख ज़िंदु मेय पतु नाव म्योनुय
करख बर तख्ते शॉही कामरॉनी
रटख मालो खज़ानु जाय म्यॉनी

शाहज़ादस गव नु असर कॅह मगर पादशाह रूद तस कुन वनान। दोपुनस 'ऐ म्यानि टाठि गोबरु! च़ु छुख ना वुछान म्यॉन्य ज़िंदगी छि ऑखरी पडावस प्यठ वॉच़मुच़। बु कोताह नोतुवान छुस सपुदमुत। नर्यन ज़ंगन छुम ज़ुव द्रामुत। मे छु व्वन्य श्रावुनस पोह सपुदमुत। खबर कुस साथ आस्यम, येलि मे मोत तुलिथ नियि। म्यानि पतु छय यि ताजदॉरी चॉनी। च़ै कर शूबी फलवा तु आशक गछुन। चोन वजूद छु सिरिफ पादशॉही लायख।'

यि कर ज़ोनुम च़ु त्रावख मुल्क तय माल
यि कर ज़ोनुम गछ़ख युथ खस्तै अहवाल

शाहज़ादु अजब मलिकस गव नु मॉल्य सुंज़व कथव सुत्य् कांह असर। सु ओस सिरिफ नोश लबि हुंज़ कथ बोज़नु खॉतरु तैयार। बाकय दुनियाह ओस तॅम्य् त्रोवमुत। मॉल्य सुंज़ु कथु बूज़िथ गव अजब मलिकस तलवास। दोपुनस 'ऐ शाहे जवान बख्त! मे हिविस आशुकस कथ छु ताजो तख्त बकार। म्यॉन्य वथ छे बदल। मे छुनु बादशॉही सुत्य् कांह वासतय।'

यिमु कथु बूज़िथ वसु पादशाहस दिलस श्राकु। तॅम्य होत अॅछव किन्य खून हारुन तु वदान वदान वोनुन शाहज़ादस बेयि:

च़ु थावुम कन करय बो रच़ नॅसीहत
मतो च़लतम हेतो अमि अॅश्कु निशि पथ

थरे म्याने च़ु ओसुख टूर अड़ु फॉल
वुछान ओसुस च़ै कर वारि फॉली गुल
कवो कॉरथो च़ै म्यॉनिस श्रावुनस माग
बरय गोहम तु थोवथम बर जिगर दाग

शाहज़ादस गव मॉल्य सुंदि ओश त्रावनु सुत्य् स्यठाह असर। दिल सपदुस स्यठाह रंजीदु। दोपुन मॉलिस ज़ि ख्वदा थॅविनय मूजूद। बु यछ़ा पानय पानस खॉरी करुन्य। मे ऑस नु कांह खॉहिश यि दोद पालुनस। कांह येछ़्या नारस मंज़ पनुन पान ज़ालुन ? बु ओसुस पानु सबरुकुय चारु छ़ांडान, मगर पज़र गव यि ज़ि अॅम्य अॅश्कन छुनम नु कांह होश थोवमुत। अमी छम नु चॉन्य कथ दिलस सनानः

बु ज़न मूदुस तु शाह ऑसिन सलामत
ब नेकी ज़िंदु रूज़िन ता कयामत
कोरुस लाचार अॅश्कन छुम नु तकसीर
मे लीखिथ दर अज़ल यी ओस तकदीर
मे अॅश्के नोश लब गव होश डॉलिथ
फिराकुक्य आतशन थोवुनस बु ज़ॉलिथ

पादशाह रूद शामस ताम तस समजावान मगर अजब मॅलिक गव नु योरुकिस आलुमस फेरुनस तैयार। पादशाह ओस नु तस त्रावनु खॉतरु तैयार, मगर तसुंद हाल वुछिथ ति ओसुस वॉलिंजि ज़्यतु प्यवान।

शाहन दोपुनस छुहम चेश्मन हुंदुय गाश
कत्यू त्रावथ मे हो छम चॉन्य बॅड आश

यि वॅनिथ द्राव पादशाह वछ च़ेटान वापस।

☯ अजब मलिक छु रासुखस राज़ बावान ☯

अजब मलिकस गॅयि राथ गुज़ारुन्य् बड्ड मुश्किल। तॅम्य सूज़ पनुनिस दूदु बॉयिस रासुखस शेछ तु वॅनिन तस सॉरुय दॅलील। दोपुनस बु छुस यछान वुन्य नोश लब छ़ांडनु खॉतरु नेरुन मगर पादशाह छमु नु हरगिज़ इजाज़थ दिनस तैयार। व्वन्य छुहम चुय योत रॅफीक।

रॅफीकय छुख तु करतम गम गुसॉरी
छु यी दस्तूरो शर्ते दोस्त दॉरी
चु पखतम सुत्य करतम मेहरबॉनी
करुम यॉरी छुहम योद यारे जॉनी

रासख गव तसुंज़ हालत वुछिथ तस सुत्य गछ़नु खॉतरु तैयार। अजब मलिक गव ख्वश। तॅम्य सूज़ बेयि ति कैंचन रॅफीकन सुत्य् यिनु खॉतरु पॉगाम तु ह्योतुख सफ़रस नेरनुक संज़ करुन।

☯ अजब मलिक छु सफरस नेरान ☯

ऑखुरकारु वोत सु दूह येलि अजब मलिक द्राव पनुन्यु यार दोस ह्यथ नोश लब छ़ारनु बापथ सफरस। गुर्यन आव माल तु खज़ानु बरनु। रॉत्य रातस, कुनि जायि थख दिनु वरॉय रूद्य तिम पकान तु सुबहस गाश फ्वलनु वख्तु वॉत्य तिम ॲकिस बियाबानस मंज़। पकान पकान ऑस्य सारिनुय ख्वरन हठ खॅतमुत्य। कोँसि ओस नु ताब या ताकत रूदमुत। अजब मलिक ओस वुनि ति नोश लबि हुंदिस फिराकस मंज़ अछव किन्य खून हारान।

वनान ओस तालेहस कुन क्याह मे कोरथम
फिराकुकि नारु सुत्यन सीनु बोरथम

च्रे क्याह कोरुमय बु कोरुथस खस्तु खॉतिर
ज़ि शॉही दौलतस कोरथस मुसॉफिर

वॅरियाह अख गव यिमन पकान। ऑखुरस येलि क्रूठ सफर वॅडिथ अजब मलिकुन्य सॉथी छ़ेनिथ पेयि, शाहज़ादस बास्यव ज़ि तिहुंद ब्रोंह कुन पकुन छु स्यठाह मुश्किल। गुर्यन ति रूज़ नु बोर तुल्य तुल्य कांह सूरथ। अजब मलिकन कोर रासुखस सुत्य् सलाह मशवरु।

वनय बु मशवरु य्वद म्योन बोज़ख
मे सुती कालुचन हुशार रोज़ख
गछ़व ज़ुय ज़ॅन्य रॅफीकन च्रूरि नीरिथ
ह्यमव वथ यिम गछ़न दर खानु फीरिथ

मगर रासुखन मॉन्य नु अजब मलिकुन्य कथ। दोपुनस च्रूरि नेरुन गव नु जान। सफर छु मुश्किल। हरगाह कुनि कांह खतरु आव तु क्याह करव। येति छु नज़दीखुय अख दॅरियाव। ॲस्य गछ़व तूर्य। सामानु त्रावव नावि मंज़ तु नेरव दॅरियावु मँज़ी सफुरस। यिथु पॉठ्य लगि वख्त ति कम।

अजब मलिकस बासेयि रासखु सुंज़ कथ ठीक। सामानु तु गुर्य आयि नावि मंज़ त्रावनु। अदु सपुद समंदॅरी सफर शुरू। येति येति बॅस्ती ऑसुख नज़रि गछ़ान, तति तति ऑस्य तिम नाव बॅठिस लॉगिथ बस्ती मंज़ अच़ान तु नोश लबि मुतलिक पताह करान। ख्वशकी प्यठ पकान ओस तिमन अख वॅरियाह लोगमुत। समंदरस मंज़ पकान गव बेयि अख वॅरी। मगर हॉसिल नदारद।

☯ नाव छि समंदरस मंज़ यीरु गछ़ान ☯

अजब मलिकन कोर बेयि सोंच तु वोनुन रासुखस। ज़ु वॅरी गॅयि असि व्वन्य पकान। यिमन दून वॅरियन कोड नु असि अकिस पॅहरस ति थख। छुना सलाह, बेयि खसव बॅठिस प्यठ

वापस तु बाकय सफर कडव ख्वशकी पेठिय। यिथु पॉठ्य ह्यकव बेयि प्रथ जायि वॅन्य दिथ। वुनि ऑस्य तिम यि कथ सोंचानुय ज़ि ज़बरदस्त वाव कोडुन। समंदरस आव तूफान। यिहुंज़ नाव आयि तूफानस मंज़ ह्यनु तु गॅयि यीरु। तथ सुती फॅट्य अजब मलिकुन्य सॉरी सॉथी ति पॉनिस मंज़, सामानु ति तु गुर्य ति।

मगर अजब मलिकस ओस नु वुनि क्वदरतन मोत ल्यूखमुत। तस लोग अख पचि तख्ताह अथस मंज़। सु खोत अॅथ्य तख्तस प्यठ। अकि तरफ़ु ओसुस ज़ुव अथस क्यथ ज़ि बु बचा किनु मरु। दोयिमि तरफ़ु ओसुस पनुन्यन सॉथियन हुंदि मरनुक गम।

वदान ओस मुबतला छुस द्वन गमन मंज़
लोगुस कोत क्याह बन्योम ओसुस कमन मंज़
न बूज़ुम यारु सुंद पॉगाम नै नेब
पनुन्य यिम सुत्य् ऑसिम गॉम तिम गॉब

अजब मॅलिकस ओस हालि बद। योत ताम नज़र ऑस पिलान, पोनी पोन्य ओस नज़रि गछ़ान। दूर दूर ताम ओस नु कांह ज़ुव या कांह ज़िंदु ज़ॉच़ नज़रि गछ़ान। अजब मॅलिक कुतिस कालस रूद पचि खंजि प्यठ यीरान, तम्युक लोग नु तस कांह अंदाज़ु। ऑखुरस वोत सु यीरान यीरान अॅकिस ज़ुविस प्यठ। बॅठिस प्यठ खॅसिथ आव अजब मलिक पथर लायिनु। तस प्यव पनुन रॅफीक रासख याद युस समंदरु बुज़्य ओस गोमुत।

सु रासख गोम कोत युस यार ओसुम
सिरन महरम गमन गम ख्वार ओसुम

☯ अजब मलिक छु मकानस अंदर अछ़ान ☯

अजब मलिकन वॅर वारु वारु ह्यमथ तु ह्योतुन ब्रोंठ कुन कदम द्युन। बुथि ऑस नु कुनि कांह बॅस्तियाह नज़रि गछ़ान। अजब मलिक रूद द्वह वादन पकान। ऑखुर वुछ तॅम्य अॅकिस जायि अख शांदार मकानु। शाहज़ादु गव केंछ़ा ख्वश तु केंछ़ा रूदुस दिलस खोफ।

मकानस निश वॉतिथ द्युतुन आलव मगर कांह सपुद नु ज़ॉहिर। अजब मलिकन सूंच ज़ि मकानु आसि खॉली। सु च़ाव मकानस अंदर। अति वुछ तॅम्य अख शूबुवुन तु लूबुवुन तख्त। तख्तस प्यठ ओस कुस ताम शॉगिथ। अजब मलिकन तुल खोच़ान खोच़ान तस नफरस वुरुन थोद। अॅछन ब्रोंह कनि गॅयस ज़न नारु ब्रेह पॉदु। तख्तस प्यठ ऑस अख हूर शॉगिथ। अजब मलिकन ओस नु अज़ ताम युथ हुस्न वुछमुत। यि ऑस पॅज़्य पॉठ्य ज़न तु जनतुच पॅरी। अजब मलिकस आव खयाल, यिहय मा छे नोश लब ?

ज़नानु गॅयी बेदार। अख नव जवानाह ब्रोंठु कनि वुछिथ गॅयि स्व हॉरान। दोपुनस, च़ु कुस छुख तु योत किथु पॉठ्य वोतुख ? योत छुनु कांह जानावार ति ह्यकान वॉतिथ। मे छु बासान च़ु छुनख पनुन्य मोतन योर वातुनोवमुत। येति वापस फेरुन छु चोन स्यठाह दुशवार। अजब मलिकन वोनुनस:

छुनुम वावाह मे तकदीरन ब-नागाह
गोमुत छुस मारु वनतम चारु छुम क्याह
मुसाफिर छुस तु योत अलगॉबु वोतुस
मगर बर गश्तु बख्तुकि नेबु वोतुस
अर्ज़ छुम चानि खॅज़मच़ कर तु इनसाफ
कुनी ज़ॅन्य क्याज़ि छख सिर बावतम साफ
दोयुम कांह छुय नु सुत्यन यार हमदम
गुज़ा क्याह छुय पनुन्य रुवदाद वनतम

अजब मलिक ओस हॉरान। 'यथ शिन्याहस मंज़ न छु कुनि ज़न तु न ज़ाँपुन। बु आस यीत्य मॉदान तु जंगल च़ॅटिथ, मगर कुनि गोम नु कांह ज़ीव ज़ॉच़ाह नज़रि।' तॅम्य प्रुछ़ तस ज़नानि ज़ि ख्यनु चनु वरॉय किथु पॉठ्य छख च़ु ज़िंदु ? ज़नानि द्युतुनस जवाब 'च़े छुय बद गुमानु। दय छु सारिनुय रिज़्क सोज़न वोल। मे ति सोज़ि सुय येम्य बु योत वातुनावुनस तु येम्य बु ज़िंदु थॅवुनस।

☯ मुसॉफिर तु जानावार ☯

ज़नानि बोज़ुनोव अजब मलिक अख दॅलील। दॊपुनस अख शख्साह ओस। ॲमिस ओस ॲकिस शहरस गछुन। गरि ओस द्रामुत तेल ख्यथ। पकान पकान गोस स्यठाह गर्म। आराम करनु खॉतरु त्रोवुन ॲकिस कुलिस तल डाफ। अख तेल फॊल ओस ॲमिस शख्सस दंदस मंज़ रूदमुत। ॲमिस पॅयि प्वंद तु तेल फॊल गव दंदु मंज़ु न्यबर नीरिथ तु प्यव पथर। अख जानावार ओस कुल्य लंजि प्यठ बिहिथ। तॅम्य युथुय तेल फॊल वुछ, सु वोथ लंजि प्यठु ब्वन तु न्यून ख्यथ। यिथु पॉठ्य ख्वदा सॉबन तस जानावारस रिज़्क सूज़, तिथय पॉठ्य छु सु प्रथ ॲकिस सोज़ान।

अजब मलिकस रूद नु ज़नानि हुंज़ कथ बूज़िथ ताब। दॊपुनस मे वनतु वारु, चु क्वसु छख ? चु छखु इनसान किनु पॅरी ? अथ सिरस करतम वॉकुफ।

☯ नाज़ मस्ति हुंज़ दॅलील ☯

मकानस मंज़ यॊसु खूबसूरत ज़नानु कॉद ऑस, तस ओस नाव नाज़ मस्त। यि ऑस नोश लबि हुंज़ द्वदु बेनि। नाज़ मस्त ऑस ॲक्य जिनन कॉद वॅरमुच़। नाज़ मस्ति वॅन्य अजब मलिकस जिनु सुंज़ दलील। दॊपुनस बु छस पादशाह कूर। मॉलिस छुम नाव सिपाह सालार तु सु छु मुल्के बहरीनुक पादशाह। म्यानि बेयिस बेनि छु नाव मस्त नाज़। ॲस्य छि बाबु सॉबन लोलु सान रॅछिमुत्य। बु ऑसुस पनुन्यन व्यसन हुंज़ ज़िठ तु सर्दार। बु ऑसुस अकि द्वह व्यसन सुत्य गिंदान। मे ऑस्य कुमती ज़ेवर तु पलव नॉल्य। अमी वख्तु गव आसमॉनी अख जिन पॉदु। तॅम्य तुजुनस बु ज़मीनु प्यठु तु हवॉयी वुफान वातुनावुनस यथ ज़ुविस मंज़। येति वॅंरुनस यथ मकानस अंदर कॉद। म्यानि हालुच छनु मॅहलु खानस मंज़ कॉंसि ति खबर। व्वन्य वोतुम अक वॅरी यथ कॉद खानस मंज़ बंद। नजाथ लबनुच छम नु कांह सूरथ नज़रि गछ़ान।

ज़बरदॅस्ती निशि रॅछिनस ख्वदायन
मिनथ थॅवनम जदन प्यठ तॅम्य ख्वदायन
अमारथ छय यि तस अफरीतु सुंज़ जाय
छु सरकश काँसि हुंद कॅह छुस नु परवाय

नाज़ मस्ति हुंज़ कथ बूज़िथ च़ाव शाहज़ादस लरज़ु। तस फ्यूर बुथिस ज़र्द रंग तु दिलस प्योस सख गम। अजब मलिकन ह्यॊत च़लनुक संज़ करुन मगर नाज़ मस्ति द्युतुनस आलव। दॊपुनस मे वुछ अकि वुहुर्य इनसानु बुथ। छुना सलाह, रछ़ाह बॅहख मे निशि। अख कडख थख, बॅयि करख मे सुॅत्य कथाह बाथाह। मगर अजब मलिक ओस बांबुर्योमुत। दॊपुनस मे छनु येति रोज़नुच फरागथ। दिलस छुम फ्रठ, यिनु ओरु जिन यियि तु मॉरिथ त्राव्यम। नाज़ मस्ति दॊपुनस, जिन छु वुन्य वुन्य द्रामुत। वुनि छुस वापस यिनस वारियाह वख। लिहाज़ा त्राव चु लरज़ु तु पख ब्रोंठ कुन।

ग्वडुन्य वन च़ुय पनुन्य सॉरुय हॅकीकथ
कम्यू म्वखु पेश ऑयी यीच़ मॅहनथ
कम्यू बॉयिसु वोतुख यथ मकामस
बॅरिथ किथु च़ाख पानय कॉद खानस

अजब मलिकन वॊनुस बु छुस तुरकिस्तानुक रोज़न वोल। बु ओसुस अमि मुल्कुक शाहज़ादु। मगर मे त्रोव ताजो तख्त पनुन माशोक छ़ारनु बापथ। व्वन्य वॉतिम ज़ु वॅरी तस छ़ारान मगर तसुंद छुम नु कांह पय पताह अथि लगान। अमि पतु वॅन्य अजब मॅलिकन तस पनुन्य सॉरुय दलील ज़ि किथुपॉठ्य् द्रास बु नोश लब छ़ांडनु खॉतरु सफरस तु किथु वोतुस बु पतव लाकन नाव पॅंटिथ यथ मकामस।

द्वहस रातस यिमन माहन तु वॅरियन
कोरुम गरदिश बियाबानन तु शहरन
न थॉवुम कांह ति जाया कांह मकानु
तसुंद कुनि शायि ड्यूठुम नु निशानु

नाज़ मस्त गॅयि नोश लबि हुंद नाव बूज़िथ ख्वश। दोपुनस यि मुसीबथ च़े पथ कुन तुलुथ, सु मॅशराव। च़ु वोतुख व्वन्य बराबर मकामस प्यठ। चानि खुशी हुंद मोकु आव। बु ज़ानन नोश लब। स्व गॅयि म्यॉन्य द्वदु बेनि। ॲस्य छि यिकुवटु बडेमुत्य् तु तमि छु म्यानि माजि द्वद चोमुत। अजब मलिकस फ्यूर यि बूज़िथ रंग। दोपुनस मे बोज़नावतु वारु तोह्य कति समखेवु पानुवॅन्य।

शिनासॉयी गॅयी कति वारु वनतम
गछ़्यम दिल शाद अज़ खॉतिर च़ल्यम गम

नाज़ मस्ति वॅनिनस नोश लबि सुत्य् मेलनुच दॅलील।

☯ नोश लबि हुंदि ज़्यनुक हाल ☯

दोपुनस अकि द्वह ऑस म्यॉन्य मॉज म्यानि बेनि मस्त नाज़ि क्वछि क्यथ रॅटिथ ल्वलु मतु लाय करान। अमी सातु गॉयि तस ब्रोंठु कनि अख पॅरी शक्ल ख्वश पोश ज़नानाह पॉदु। ॲमिस ज़नानि ऑस्य शूबिदार ज़ेवर लॉगिथ। तमि वॅर म्यानि माजि कुन अदबु सान सलाम। म्यानि माजि ति वॅरनस वापस सलाम। स्व ज़नानु बीठ म्यानि माजि ब्रोंठु कनि। मस्त नाज़ नीनस अथु मंज़ु तु हेतिन तस म्वन्य तु मीठ्य करुन्य। अमि पतु ह्योत तमि म्यानि बेनि पनुन द्वद चावुन। म्यानि माजि वोनुनस, मे वनतु च़ु क्वसु छख, नाव क्याह छुय तु योर किथु पॉठ्य आयख ?

पॅरी शक्ल ज़नानि ह्योत वनुन। बु छस पॅरियन तु जिनन हुंज़ बादशाह बाय। नाव छुम गुलबदन। ॲकिस ज़ुविस मंज़ छु अख शहर यथ बैयत-उल-अमान नाव छु। तत्युक बादशाह चू मशहूर शाह, युस ज़्यनु प्यठय छु पॅरियन हुंज़ सरदॉरी करान। बु छस तसुंज़ुय ज़नानु। येमि द्वह च़े यि कूर ज़ायी, तमि द्वह ऑसुस बु येमी जायि मँज़्य पकान। तमी सातु वोत मे ति बचु ज़्यनुक वख। बु गॅयस लाचार। मे त्रोव पानस परदु तु माँथुर पॅरिथ च़ायस

यथ गरस मंज़। मे ज़ायि अख कूर। तमि पतु तुज मे स्व तु वातुनॉवुम पनुन गरु। नाव कोरुमस नोश लब। तसुंज़ सूरथ वुछिथ छु मे ख्वश गछ़ान दिल। मे छि तमी द्वह चॉन्य यि कूर ति वुछमुच़ तु ॲम्य सुंज़ माय छम दिलस गनेमुच़। अमी आयस अज़ लारान लारान ॲम्य सुंदि लोलु योर, नतु आसुनम गरि शुर्य बॉच़ प्रारान।

यनु स्वय नोश लब ज़ायम च़े नखु तल
तनु प्रथ सातु ऑसुम यूर्य कुन कल
हदु नीरिथ मे ॲम्य सुंद छुम महबथ
वुनिस तामथ मूलय आयम नु फुरसथ

यि बूज़िथ दोपुनस म्यानि माजि ज़ि बु ति वुछहॅन चॉन्य कूर। गुलबदन बेगमि द्युत पॅरियन होकुम ज़ि नोश लब वॅरिवुन हॉज़िर। पॅरियि द्रायि तु अनिख नोश लब। नोश लब वुछिथ गॅयि म्यॉन्य मॉज स्यठाह मसरूर। तमि तुज स्व क्वछि मंज़ तु चॉवुन पनुन द्वद। रछ़ाह गॅछ़िथ ह्यॅच़ गुलबदन बेगमि वापस नेरनुच सखर करुन्य्।

तॅमिस कुन माजि म्याने वोन ब इखलास
च़े तु असि वारु गव व्वन्य् उलफताह खास
हके सोहबत मशी नु युथ च़े व्वन्य ज़ांह
करुन्य् गछ़ि मेहरबॉनी गाह व बे गाह

गुलबदन बेगमि द्युतुनस वादु ज़ि बु आसु प्रथ र्यतु योर यिवान। तनु वोत तस नोश लब ह्यथ सोन गरु यिवान तु तति रातस रोज़ान। तथ रातस छे सानि गरि शॉद्य आसान तु द्वनुवय छि अख ॲकिस लोल बरान।

☯ जिनु सुंद युन तु अजब मलिकुनि अथु मारु गछ़ुन ☯

नोश लबि हुंज़ कथ बोज़ुनॉविथ कॉर नाज़ मस्ति अजब मलिकस इसरार ज़ि सु च़ॅलिन पनुन ज़ुव बचॉविथ, युथ नु जिन तस मॉरिथ छ़ुनि।

ब जल्दी तुल कदम व्वथ तोर कुन पख
समख तति माजि म्याने याम वातख
मै वॉनुमय नेब व्वथ गछ़ दोर ह्यथ लार
यकीन बे शक मै छुम डेशख च़ु दिलदार

अजब मॅलिक गव नु कुनुय ज़ोन नेरनस तयार। सु ओस यछ़ान नाज़ मस्ति ति पानस सुत्य् न्युन। नाज़ मस्ति मोनुस नु। तमि दोपुसः

च़ै सुत्यन म्योन यॅति नेरुन छु मुश्किल
पतु करि लार असि देवे सियाह दिल
गछ़व य्वद क्रूह सासस दूर नीरिथ
तती प्यठ बाज़ गश्त अनि यूर्य फीरिथ

नाज़ मस्ति कॉर अजब मलिकस स्यठाह ज़ोर ज़ि सु च़ॅलिन पनुन ज़ुव बचॉविथ मगर अजब मलिक गव नु तैयार। तॅम्य कॉर नाज़ मस्ति सुत्य् वादु ज़ि सु मारि जिनस तु यिथु पॉठ्य दिवुनावि तस आज़ॉदी। जिन मारुन ओस नु आसान मगर अजब मलिक ओस नु यि मानु खॉतरु तैयार। तस ओस यकीन ज़ि जिन मरि तसुंद्यव अथव। बस, सिर्फ गछ़्यस बख्त साथ द्युन।

नाज़ मस्त गॅयि मजबूर। स्व लॅज अजब मलिकुनि कामयॉबी खॉतरु दुआ करनि। पनुनिस मुकर्र वख्तस प्यठ प्यव जिन वॉतिथ। सॉरिसुय गव ज़न बुन्युल।

व्वपर शख्साह वुछुन अंदर इमारत
क्रखाह बॅड लॉयिनस कुस छुख बु मारथ

अजब मलिकस येलि जिनस प्यठ नज़र पेयि, तस गव दहशथ। तॅम्य पुशुरोव पनुन पान दयस। अँदुर्य किन्य ह्योतुन ख्वदायि सुंद नाव, तु पनुनिस ज़ुवस पोरुन फातेह। तमि पतु द्राव सु बे वाय पॉठ्य जिनस सुत्य दब करनि। अजब मलिकन तुज अख कमान अथस मंज़ तु कश वॅकडिथ लोयुन जिनस तीर। जिन आव तीर लॅगिथुय पथर लायिनु। ज़ॅमीनस गव अलु अलु। जिनु सुंदि बदनु मंज़ु गव खून जॉरी। अजब मलिकन तुज शमशेर अथस क्यथ तु अकी टासु कोरुन जिनु सुंद कलु अलग। तमि पतु त्रोव शाहज़ादन तसुंदिस बदनस रेज़ु रेज़ु वॅरिथ। जिनु सुंदि मरनु गॅयि नाज़ मस्त ख्वश।

गलान ऑसुस बु यथ ज़िंदानुसुय मंज़
दज़ान युथ ज़न हतब छे दानुसुय मंज़
खॅचुम अज़ चॉन्य बॅड मिनथ तु लादन
लगय क्वरबान वंदय सर च़े पादन

☯ अजब मलिक तु नाज़ मस्त छि बहरीन कुन नेरान ☯

नाज़ मस्ति कोर अजब मलिकस सुत्य वादु ज़ि बु वातुनावथ चु नोश लबि निश। द्वशवय सपुद्य मुल्के बहरीन कुन रवानु। सफर ओस स्यठाह क्रूठ। तिम रूद्य द्वहस रातस पकान यीतिस कालस बहरीनु किस सरहदस प्यठ वॉत्य। द्वशवय ऑस्य पॅक्य पॅक्य वॅसिथ पेमुत्य। ब्रोंठ कुन पकुनस ऑसुख नु कांह सूरथ। ऑखुरस ओन तिमव अख कॉसिद छ़ाँडिथ। तस द्युतुख यनामु तु दोपुहॅस त्युहुंद खत बहरीनु किस पादशाहस निशि वातुनावुन। कॉसिद गव रॉज़ी। नाज़ मस्ति ल्यूख खत, यथ मंज़ तॅम्य तिम तमाम वाकात लीख्य यिम तस सुत्य पेश ऑस्य आमुत्य्। तमि पतु ल्यूख तमि अजब मलिकुनि तस निश वातुनुक हाल तु तसुंद जिनस मॉरिथ तस आज़ाद करनुच दॅलील।

बु ऑसुस कॉद दर ज़िंदाने हिजरान
गॅयस आज़ाद मुश्किल गोम आसान
ब कहरे हक सपुन अफरीत बरबाद

बु कॅरनस रहमतु सुत्यन शादो आज़ाद

नाज़ मस्त ऑस गरु गछ़नु बापत तरसान। तस ओस मॉल्य् सुंद स्यठाह लोल आमुत। अख अख गॅर कडुन्य् ओस तस क्रूठ बासान।

मे वाराह आमतुय छुम लोल चोनुय, सॅनिथ गोमुत दिलस छुम लोल चोनुय
ब खॅदमथ वातु कर च़लिहेम दिलुक शर, निसारे पाये शाह करु हा पनुन सर
वलेकिन वातु कर छुम दूर मँज़िल, तवय छुम इज़तराबे गोमतुय दिल
खुशी छम खाब गॉमुच़ ताब छुम नु, अॅछव किन्य् खून जॉरी आब छुम नु
सरापा हाल पनुनुय कॉर मे इज़हार, सलामत आस ऐ शाहे जहान दार

कॉसिद द्राव खत ह्यथ तु वोत पादशाहस निशि।

☯ पादशाह छु खत परान तु जवाब सोज़ान ☯

पादशाहन येलि नाज़ मस्ति हुंद खत वुछ, तस आव अॅछन गाश। सथ गॅयस ज़ि कूर छम सॅही सलामथ। खत लोगुन पनुन्यन चेश्मन तु ह्योतुन परुन। खत पॅरिथ कोरुन कॉसिदस शाबाश तु दोपुनस म्योन जवाब वातुनाव तस वापस। पादशाहन ल्यूख वदान वदान खतस जवाब।

फिराकु चानि ओसुम सूर गोमुत
ज़मीन तंग आसमान यॅच़ दूर गोमुत
वनय क्याह चानि खॉतिर गोम कुस दाह
कराराह वारु पॉठ्यन आम नु ज़ांह
कॅरुम मे यावरी बख्तन च़ोलुम गम
वलय, कल सातु सातु तूर्य् कुन छम

पादशाहन कोर वॅंसिदस खत हवालु। सुत्य् द्युतुनस म्वख्तु ज़ाँपानु, दायि तु ग्वलाम। कॉसिद सपुद रवानु तु वोत नाज़ मस्ति निशि। तस वोनुन मॉल्य सुंद हाल तु बेयि द्युतुनस तसुंद खत। खत पॅरिथ सपदेयि नाज़ मस्त शाद तु द्रायि अजब मलिक ह्यथ बहरीन कुन।

पादशाहन येलि कूर वुछ, तस च़ोल सोरुय गम। नाज़ मस्ति ति आयि नु पछ़ ज़ि स्व वॉच़ा पॅज़्य् पॉठ्य गरु पनुन वापस। सॉरिसुय शहरस मंज़ आयि शॉद्य मनावनु। मिसकीनन तु मोहताजन मंज़ आव खॉरात बॉगुरावनु। अमि पतु वॅन्य नाज़ मस्ति अजब मलिकुन्य दॅलील अकि लटि बेयि मॉलिस तु वॅंरिन तसुंदि बहोदरी हुंद्य स्यठाह तॉरीफ। पादशाह सपुद सख मुतॉसिर। तस ओस नु यकीनुय ज़ि अजब मलिकस ह्यू कम वाँसि हुंद इनसान हेकि तस जिनस मॉरिथ यस लछु बॅद्य रोस्तुम पूशिथ ह्यकु हन नु।

नाज़ मस्ति कोर पनुन मोल अजब मलिकुनि मकसदु निश आगाह, ज़ि सु छु असली तल गरि द्रामुत नोश लब छ़ांडनु बापथ। पादशाहन वोनुसः

दोपुस तॅम्य तस कुरन्य लॉज़िम छे यॉरी
छे तुजमुच़ चानि पुछ़ि तॅम्य् यीच़ खॉरी
यियी येलि नोश लब रौदाद वॅनिज़्यस
त्युथुय वॅनिज़्यस ॲमिस प्यठ आर ॲनिज़्यस

☯ अजब मलिकस छु रासख समखान ☯

अजब मलिकस सुत्य् मुलाकात वॅंरिथ सपुद पादशाह स्यठाह ख्वश। तॅम्य द्युत तस शुमारु खोतु ति ज़्यादु यनामु तु पानस निशि थॅवनस बेहनस जाय। तस गॅयि अजब मलिकुन्य सख माय। अकि द्वह द्राव शाहज़ादु शहरस कुन सॉलस। शामस बॉग्य येलि सु वापस फेरान ओस, तस पेयि ॲकिस परेशान हाल शख्सस प्यठ नज़र। यि ओस तसुंद रॅफीक रासख। रासखन पछोन नु शाहज़ादु कॅंह तिक्याज़ि तस ओस व्वन्य बुथिस रंगुय बदल्योमुत। शाहज़ादन द्युत ग्वलामन होकुन ज़ि रासख वातुनॉविवुन महलस अंदर।

शाहज़ादन प्रुछुस च़ु कुस छुख तु कति आख। रासुखन वॅनिनस पनुन्य सॉरुय दॅलील। ऑखुरस वोनुनस ज़ि येलि सॉन्य नाव फॅट, बु लोगुस ॲकिस पचि खंजि प्यठ तु यीरान यीरान वोतुस यथ शहरस मंज़। मे छनु पनुनिस रॅफीक अजब मलिकस मुतलिक किहिन्य खबर ज़ि सु छा ज़िंदु किनु समंदरु बुज़्य गव।

छ्वखा दिथ कोत च़ोलुम स्वख रावरॉविथ
नखु त्रॉविथ द्वखाह बोड गोम थॉविथ
लबन कति सर करस क्वरबान पायन
हट्युक रथ वंदहॅस लगुहस बलायन

रासुखस गव ॲछन ओश जॉरी। अजब मलिकस गव नु यि बरदाश। तॅम्य दोपुस:

वफादारो मु वद बु यार छुस चोन
छुसय सुय आदनुक आरामे जान प्रोन

यि बूज़िथ गव रासखस दिल शादमान। अमि पतु बोव अजब मलिकन तस पनुन हाल। रासख गव यि बूज़िथ ख्वश ज़ि अजब मलिकन छु नोश लबि हुंद पय लोबमुत।

☯ अजब मलिक छु नाज़ मस्ति ज़ार करान ☯

अजब मलिक ओस नोश लबि हुंद दीदार करनु खॉतरु बेताब। सु लोग नाज़ मस्ति आह व ज़ॉरी करनि। तसुंज़ बे तॉबी वुछिथ वोन तस नाज़ मस्ति ज़ि पगाह छि नोश लब पनुनि माजि सुत्य तोर वातन वाजेन्य। तमि कोर ॲकिस पोशु बागस मंज़ नोश लबि तु अजब मलिकुनि समखुनुक संज़। तमि वोन शाहज़ादस:

च़ु कड तामथ क्वछ्यन दर बाग वाशा
बु अनुनय नोश लब बहरे तमाशा

अगॉफिल पॉठ्य च़े निशि वातुनावन
ब जुज़ दॅरियाफ्त च़े नज़दीक थावन

☯ नोश लब छे नाज़ मस्ति निशि यिवान ☯

नोश लब वॉच़ पनुनि माजि गुलबदन बेगमि सुत्य पादशाह सिपाह सालारु सुंद गरु। तस ऑस नु खबर ज़ि नाज़ मस्त छि जिनु सुंदि कॉदु निशि आज़ाद गॉमुच़। तस येलि नाज़ मस्ति प्यठ नज़र पेयि, स्व गॅयि स्यठाह ख्वश। तस युस नार दिलस मंज़ नाज़ मस्ति हुंदि दूरिरु किन्य ओस, सु गव छ़्यतु।

मे ओसुम लोल आमुत वारयाह चोन
च़ु डीशिथ काच़ ज़ूने ज़न च़ोलुम ग्रोन
यिनु चानिच खबर ऑसुम नु अज़ ताम
नतु च़े रोस कवु यियिहे मे आराम

नाज़ मस्ति बोज़ुनॉव स्व पनुन्य दॅलील। जिनु सुंद ज़ुलुम, अजब मलिकुन तस निशि युन, तसुंज़ बहोदरी हुंद कारनामु तु ऑखुरस जिनु सुंद मारु गछुन, यिमु कथु वनि नाज़ मस्ति तस वारु व्यछुनॉविथ।

ख्वदा गम कॉसिनस ऑसिन फ्वलुवुन
सु छ़्वख बॅलुरॉविनस युस छुस ललुवुन

नोश लब गॅयि शाहज़ादु सुंद्य तॉरीफ बूज़िथ मसहूर। यि वुछिथ वोन नाज़ मस्ति तस अजब मलिकुनि अॅश्कुच दास्तान तु तसुंदि योर यिनुक मकसद।

कॅडिथ ऑसुस निमुच़ कल चॉन्य अॅश्कन
तमी कजि गॅजमुच़य तस ऑस हन हन

मगर नोश लबि आयि नु वेसि हंुज़ कथ पसंद। तस ओस नु गुमानुय ज़ि नाज़ मस्त करि तस सुत्य् यिछ़ कथ।

च़खि हॅच़ योरु दोपुनस छा यि शायान
च़ॆ तु मे व्यसु तोन व्वन्य वोत पायान
न ज़ानन कांह न ज़ान्यम कांह मे अज़ ताम
च़ु कवु यॅच़ छख करान नाहक मे बदनाम
कथव चान्यव कॅरुस गमगीन व दिलु तंग
फुटुरथम शीशु लोयुथ ऑयीनस संग
रवा छा यी अपुज़ तोहमथ मे ॲनिथम
ज़हरु बॅड श्राख ज़न वॉलिंजि छ़ुनिथम

☯ हकीकत बूज़िथ छॆ नोश लब नरमान ☯

नाज़ मस्ति ऑस नु खबर ज़ि नोश लब गछि़ यि कथ बूज़िथ नाराज़। अमी पेयि तस स्व दॅलील वनुन्य योसु बुडन अजब मलिकस वॅनिमुच़ ऑस तु यथ प्यठ शाहज़ादु ताज तख्त त्रॉविथ नोश लबि छ़ांडनि द्रामुत ओस।

बुडस निशि बूज़िमुत्य ऑसिन सिफत चॉन्य
तवय गारान द्रामुत ओस वथ चॉन्य
कोहिस्तानन तु वॉरान खारनुय मंज़
बियाबानन तु जंगल ज़ारनुय मंज़

यि बूज़िथ नरमेयि नोश लब। तस गव दिलस शोख सु जवान वुछनुक। तमि कॅर नाज़ मस्ति गुज़ॉरिश ज़ि मे करनाव तु तस शाहज़ादु सुंद दीदार।

गनेयम राय तॅम्य सुंज़ गोम तॉसीर
गॅयस बूज़िथ तसुंद अहवाल दिलगीर

☯ नोश लब छे पोशि बागस मंज़ अच्चान ☯

नाज़ मस्ति नियि नोश लब तथ बागस मंज़ येति अजब मलिक बिहिथ ओस। बाग वुछिथुय तंबुल्यव नोश लबि हुंद दिल। रंगुरंगु ऑस्य गुल पॅलिमुत्य। वावु सुत्य ऑस पोशन ग्राय लगान तु ज़न ऑस अॅतुर फेरान। ग्वलाब, ही तु मसवल, बुनफ्शु, कारिपॅत्य तु अॅश्कु पेचान, यॅंबुरज़ल, सदबर्ग, झाफर, नवरंग, अछि पोश, गर्ज़ प्रथ कांह पोशि ज़ॉच्र ऑस अथ चमनस अंदर। रंगु रंगु जानावार ऑस्य मोदरि बोलि करान। कुस्मु कुस्मुक्य् म्यवु ऑस्य कुल्यन अलूंद। कुल्यन हुंज़व ग्रायव, जानावारन हुंदि च्युरगिशि तु पोशि ज़ारव मँज़्य वाव पकनु सुत्य योसु दिलस लूबुवुन्य आवाज़ गछ़ान ऑस, तिछ़ आवाज़ ऑस न सेतारन, न साज़न तु न चंगन। गुलिस्तानस वुछिथुय ऑस्य होश डलान तु जनतुक ब्रम गछ़ान।

☯ पोशि बागस मंज़ मुलाकात ☯

अॅथ्य लालु ज़ारस मंज़ सपुद नोश लबि अजब मलिकस सुत्य मुलाकात। बागस मंज़ येलि नोश लबि शाहज़ादस प्यठ नज़र पेयि, तस लोग ज़न तु लोलुक तीर दिलस। शाहज़ादु सुंद रोय ओस ज़न तु इनसानस वटुस्य करुन लायक। नोश लबि ओस नु अथ दमस ताम युथ ह्यू खूबसूरथ जवान वुछमुत। शाहज़ादु सुंद मस, अॅछ, बुमु, वुठ गर्ज़ प्रथ कांह तान ओस मॉर्य मोंद। नोश लब रूज़ुय नु योरुकिस आलमस सुत्य ।

ऑमिस रोस्तुय छु मुश्किल व्वन्य लसुन म्योन
न्यबर अज़ बाग नेरुन ज़ुव खसुन म्योन
वॅथिथ तमि जायि थोद हरगिज़ हेचिस नु
ज़ि नंगो शर्मि ख्वद तस कुन पॅचिस नु

यीतिस कालस गॅयि नाज़ मस्त अजब मलिकस निश तु वॅनिनस नोश लबि हुंज़ बागस मंज़ वातनुच कथ। शाहज़ादन युथुय नोश लबि हुंदि यिनुच कथ बूज़, सु गव देवानु। तॅम्य द्युत गज़ल ख्वानन होकुम तु साज़ो नगमुच महफिल आयि सजावनु।

कत्यू छ़ांडथ मत्यो दरशुन दिहम ना
मत्योमुत दादि चाने छुस यिहम ना
कत्यू छ़ांडथ वलो दिलदारु म्याने
गोलुस चाने गमय गमखारु म्याने

ऑखुरस करनॉव नाज़ मस्ति अजब मॅलिकस तु नोश लबि बागस मंज़ मुलाकात। नोश लब वुछिथुय गव शाहज़ादु बेहोश। येलि तस होश आव, तस आव नु यकीनुय ज़ि यि छु पज़र। नोश लब ऑस पॅज़्य पॉठ्य् हूर। तसुंज़ हालत ति ऑस तिछ़ुय यिछ़ शाहज़ादु सुंज़ ऑस। दूशुवय ऑस्य अख अकिस प्यठ दिल हॉरिथ। तिमन बास्यव ज़ि अख ॲकिस वरॉय छि तिम ना मुकमल। अजब मलिकन वोनुस पनुनि दिलुक हाल:

च़ु क्याह ज़ानख च़े प्यठ मेहनथ तुजिम कुच़
च़े छ़ांडान दर जहान मज़रत तुजिम कुच़
तुलिम कम कम सितम अज़ दोरे आफाक
बु फ्यूरुस आलमस गाह जुफ्त गाह ताक
च़े होवथम रोय कॅरथम मेहरबॉनी
दिच़थ ज़न म्वरुद जिस्मस ज़िंदगॉनी
छुसय बु त्रेशि होत प्यठ नागु रादस

दितम अख शरबताह व्वन्य् वात दादस
बरख ना माय म्यॉनी छुय सवाबाह
सपुनतम येल वनतम रुत जवाबाह

नोश लब ति ऑस बेकरार मगर यिमन कथन ओसुस नु कांह जवाबाह। स्व ऑस पॅरी ज़ॉच़, तमि किन्य ओस नु तस तु अजब मलिकस म्युल। तमि द्युतुस जवाब:

च़ु छुख इनसान बु छस जिन्से पॅरी ज़ाद
मु थक छय अथ कलामस सुस्त बुनियाद
मे पथ य्वद रावरावख उमर सॉरय
लबख नु उलफतुच बोयाह मे लॉरय
मुलुच कथ छय बु छस खोच़ान पामन
मे छुम ना ज़ांह गोमुत आलूद दामन

अजब मलिक ओस नु नोश लबि हुंज़ कथ मानुनस तयार। तॅम्य वॅनिस बेयि पनुन्य ज़ार:

च़े छुय पॅज़्य पॉठ्य दामन पाक थोवमुत
मे छुम दिल खस्तु सीनु चाक गोमुत
सुर कर दादि चाने कुस सितम गोम
गोलुस यिथु नार डीशिथ छुय गलान मोम
जवॉनी सॉर च़े पथ रावरावुम
हकूमत सलतनत यकबार त्रॉवुम

कमाने चानि द्युतुनम तीर सीनस
छ्वकुलद छ्रठ दिवान छुस प्यठ ज़ॅमीनस

मगर नोश लब ऑस मजबूर। तमि दोपुस:

बन्योमुत ज़ांह छुना दर मुल्के आलम
पॅरी ज़ादन हिशर आमुत ब आदम
मे इनसानन हुंज़ुय छम ना मुलय पछ़
म कर देवानुगी यॅति आख तॉत गछ़
मु वव तथ जायि फल यॅति कॅह बॉयी ना
गली तति ब्योल कॅह हॉसिल यियी ना

शाहज़ादु ओस ज़ुवस गिंदिथ अथ जायि ताम वोतमुत। सु ओस नु कुनि सूरतस मंज़ पथ ह्यनस तयार। तॅम्य लॉज आहो ज़ॉरी सुॅत्य् सुॅत्य व्वन्य नोश लबि ख्वशामद करुन्य। तसुंद्य व्यदाख बूज़िथ गॅयि नोश लब स्यठाह तंग। तमि य्वसु वॅन्य पनुनिस दिलस ऑस प्यठु थॅवमुच़, स्व च़ॅज नीरिथ। तस आव पानस ति शाहज़ादु सुंद स्यठाह लोल बरनु। मगर पॅरी ज़ाथ आसनु किन्य दिच़ तमि शाहज़ादस च़ेनुवॅन्य। दॉपुनस अख वादु छुय करुन। चोन ॲश्क गछ़ि साफ तु पाक आसुन। अथ मंज़ गछ़ी नु कुनि कुस्मुच नापॉकी यिन्य। शाहज़ादन कॉर यकरार।

☯ मिलाप ☯

द्वशवय लॅग्य अख ॲकिस तिथु पॉठ्य लोल बरनि, ज़न तु तिम वुमरन हुंद्य पानुवॅन्य जुदा ऑस्य गॉमुत्य। अमि पतु लॅग्य अख ॲकिस शकायथ करनि तु अख ॲकिस सुॅत्य् वफादॉरी हुंद वादु करनि। प्रोन गम मॉठुख सोरुय।

तिथय गॅय शाद गम मॉठ प्रोन बिलकुल
खुशी यिछ़ बुलबुलस डीशिथ गछ़ान गुल

अमि पतु लॅग्य द्वशुवय मस चेनि तु अख अॅकिस जाम पिलुनावुनि। यि सिलसिलु रूद तीतिस कालस चलान यीतिस कालस द्वशवुन्य होश रोव तु अख अॅकिस नालुमति रॅटिथ पेयख नेंदुर।

☯ गुलबदन छि कोरि छ़ांडनि नेरान ☯

हुपॉर्य ऑस नोश लबि हुंज़ मॉज गुलबदन तु नाज़ मस्ति हुंज़ मॉज कोर्यन हुंदि खॉतरु परेशान। सूंचुख, कोरि द्रायि गरि सॉलाह करनु खॉतरु बागस कुन, मगर यूत च़ेर क्याज़ि गोख ? गुलबदन ऑस सोंचान ज़ि कोरि छि वारियाहि कॉल्य पानुवॅन्य समखेमचु। नाज़ मस्ति हुंज़ बेनि मस्त नाज़ ति छख सुॅत्य गॉमुच़, अमी आसन पानुवॅन्य दरबाराह करनि लॅग्यमुत्य। बेयि कॅह वख्तस प्रॉरिथ ति येलि नु कोरि वापस आयि, नोश लबि हुंज़ि माजि लॅज फिकिर। स्व द्रायि तिमन छ़ांडुनि। वातान वातान वॉच़ स्व तथ बागस मंज़ येति नोश लब शाहज़ादस सुॅत्य ऑस। येलि तमि पनुन्य् कूर तु अजब मॅलिक अख अॅकिस लरि शोंगिथ वुछ, तस गव अॅछन अनिगोट। क्रूदु सुॅत्य गोस अॅछव मंज़ु नार ज़ॉहिर। तस आयि नु पछ़ुय ज़ि तसुंज़ कूर करि युथ अतुर तु खानुदानस करि रुसवॉयी।

खजालॅच़ टोंगु ट्वख द्युतुथम नॅगीनस
फुटुम शीशु लॅजिम कॅन्य आबगीनस
अदावथ यिछ़ कमिच ऑसुय च़ै म्यॉनी
कॅरुथ रुसवाये आलम कूर म्यॉनी
सज़ा पानय लबख त्युथ युथ करख कार
ब्वी मा कॉल्य् गुल य्वद अज़ ववख खार

च़ै छुय ना कॅह खता राह छुम मै पानस
मै पानय प्रान मिलुनोव ज़ाफ़ुरानस

खबर छनु क्याह च़े ऑसुय कीनु खॉही
तवय पुछि रोबु ॲनिथम रू सियॉही

☯ नोश लब तु शाहज़ादु सुंज़ जुदॉयी ☯

नोश लब ऑस शॉगिथ मगर पॅरी ज़ाथ आसनु किन्य ऑस स्व माजि हुंद बुथ ति वुछान तु तसुंज़ कथ ति बोज़ान। नेंदरि मंज़ुय च़ायि तस मॉज ब्रोंठु कनि वुछिथ थरु थरु। तमि ह्योत बख्शनु खॉतरु माजि ज़ारु पारु करुन। येलि नु माजि हुंद ग्वसु कुनि सूरतस मंज़ कम गव, नोश लबि वॅन्य तस शाहज़ादु सुद सॉरुय दलील ज़ि सु कुस छु तु कति प्यठु छु तसुंदि खॉतरु आमुत।

स्व गॅयि शरमंदु सोरुय हाल वोनुनस
तसुंद अहवाल व माहो साल वोनुनस
हकीकथ वाकई वॅनिनस मुफस्सल
खॅटिथ थोवुनस नु कांह हरफा न अमल
यि शाहज़ादय छु तुरकिसतानु आमुत
छु ॲश्कन ओनुमुतुय छुनु पानु आमुत
स्व बुडु सुंज़ कीफियत तॅम्य बॉवुनस सॉर
मुच़रनस सर ब सर सिरु किस गरस दॉर

मगर तसुंद्यव व्यदाखव सुत्य गव नु गुलबदन बेगमि कांह असर। तमि द्युत पॅरियन होकुम ज़ि नोश लब वॅकरिवुन नवजवानस निशि जुदा।

जुदा वॅल्य वॅल्य वॅर्यूख यिम अख ॲकिस निश
यि कथ गछि युथ नु नॅन्य कॉसि ॲकिस निश
तिथुय तुलिज़्योख गछ़न यिम युथ नु बेदार

खबरदार युथ नु यिम सपुनन खबरदार
ब खानै नोश लब गछि वातुनावुन्य
कुठिस पनुनिस अंदर ल्वति पॉठ्य सावुन्य
हुमिस गछि गाश तुरकिस्तानु हावुन
वुकरमनु सख्त दर वॉरानु त्रावुन

पॅरियव तुल शाहज़ादु तु त्रोवुख तुरकिस्तानु गॅछिथ। नोश लब तुजिख नॅंदरि हॅंचुय तु त्रॉवुख पनुनिस कुठिस मंज़। न रूज़ तस शाहज़ादु सुंज़ खबर तु न रूज़ शाहज़ादस तसुंज़।

☯ नोश लब छि बेदार गछ़ान तु व्यदाख दिवान ☯

नोश लब येलि बेदार गॅयि, तमि दिच़ ओरु योर नज़र। पनुन पान वुछुन पनुनिस गरस मंज़ तु शाहज़ादु ओस नु कुनिय। तस पेयि स्व विज़ याद येलि तसुंज़ मॉज रात क्युत बागस मंज़ आयि तु स्व वुछिन शाहज़ादस सुत्य नॉली नाल। शाहज़ादु सुंज़ जुदॉयी गॅयि नु नोश लबि बरदाश। तमि ह्योत पनुन यार छ़ारुन तु व्यदाख दिन्य्।

☯ व्यदाख ☯

सुबुह फोल बुलबुलव तुल शोर-ो-गौगा, गॅयस बेदार, मुच़रेम चेश्मे शहला
खबर ऑसुम बु छस दरबर निगारस, मुकर्र गॉब छि पेन्य नॅंदुर बहारस

नज़र त्रॉवुम न ड्यूटुम बाग नै गुल, न बूजुम अज़ चमन आवाज़ि बुलबुल
न ड्यूटुम यार नै गुलज़ार नै बाग, न रातुक ऑश इला बर जिगर दाग

गटु मीजिम, सुबुह सपनुम गमुक शाम, मुसीबत प्योम अश्क अज़ गम करिम दाम
हेतिम वॅन्य दिन्य निगारस गुलाज़ारस, पसो पेशस यमीनस तय पसारस

वुछुम नु रोये ज़ेबा यारु सुंदुय, निशाना कांह ति तस दिलदारु सुंदुय
बजाये गुल ब-सीनु खार ज्यूठुम, ह्योतुम छ़ांडुन खज़ानु मार ज्यूठुम

दपान ऑसुस दिलस बा चेश्मे पुर आब, स्व मॅजलिस रातुची मा आसिहे खाब
सु ऑशा राहता द्रशवुन्य ब्रेमा ओस, खुशी शूब्यस वुनुन्य कर मातमा ओस

मच़र ऑनुनम तच़र कोरुनम बदुनस, वदान आलव हेतिम दिन्य तस मदुनस
निगारा बे मदारा सरदि महरा, बुता, माहे मुनीरा, खूब चहरा

होंदुर लॅगिथ नेंदुर पॉविथ च़ोलूहम, फिराका ललुवुन त्रॉविथ च़ोलूहम
मतो च़लतम मत्यो मॅच़रॉवुथस बो, यितो बेयि सथ गछ़्यम मॅशरॉवथस बो

परन पादन प्यमय थॅवथम मे लादन, दितम सर आलुवय आलव च़ु नादन
वदुन त्रॉविथ च़लुन च़ूरे रवा छा, थवुन युथ दाग मस्तूरे रवा छा

दुरु फलि म्यानि कथ गोशस रॅटुथ जाय, च़े गोशन म्योन गोय ना त्रॉवुथम माय
खॅरीदारो कम्यू बाज़ारु छ़ारथ, मे तावन पोवुथम कमि वानु गारथ

हरेयस आरुवल गोलाबु बोयो, दॅज़ुस महताब ज़न महताब रोयो
पॅरी देवानु वॅरुथस माह जबीनु, यिहम ना बहर लिल्लाह मह जबीनु

कमां ज़न गोम कद बद वलजमाले, सेद्योमुत तीर ॲश्कुन हियु माले
ज़ूलेखा यूसफो च़े पथ अनेयस, मतेयस वामिको अज़रा बनेयस

ब-तल्खी छस दिवान शीरीन फॅरियाद, गछ़्यम ना पॉदु ख्वश दीदार फरहाद
कोतू च़ोलुहॅम मत्यो मजनूनु म्याने, मे थोवथम दोद ललुवुन लॉलि जाने

थफा दिथ नकदि दिल ह्यथ दूर गोहम, जफा कारो शिलस सॅन्य् च़ूर प्योहम
मदन वारो बदन गोहम मे ज़ॉलिथ, ह्यकय नो दूरिरुक आतश बो च़ॉलिथ

मलालु गोय कम्युक, कवु पुच़ि मे रूठुक, वॅमिस ताले वरस इकबाल ब्यूठुक
चरागे खुरमी छ़ेवरिथ गमुक वाव, अनि गोट गोम माह रवखसारु म्वख हाव

फरोगे नूरे माह रवख च़ूरि हावुम, बिहिशतियो जमाला हूरि हावुम
पतु यिमुहय अमा वथ छम नु मोलूम, नतु ज़ुरहा नु हिजरुक तीरि मसमूम

शेछा लदुहय अमा कांह छुम नु दर दिल, च़े थोवथम लालु रोयो दाग बर दिल
कुसू सोज़य, कुसू बावी यि तकरीर, पक्यम कुस तोत सिवाये बादि शबगीर

यितो हा सुबुह के ख्वशबोयि वावो, नितो तस गुलाज़ारस म्यानि ग्रावो
ज़ि गरदि राह चु दामन दुन्यज़ि अवल, पस अंगु नॅट्च नॅट्च गॅछ़िज़्यस बरस तल

अदब रॅछ़िथुय सदा वॅर्यज़्यस ब हलकु, खबर आहस्तु वॅन्यज़्यस मोदरि हलकु
जफा अंदेशि कस त्रॉविथ स्व मज़लूम, कोरुथ क्याह थामि लॉजिथ पामु मॉसूम

मुहिथ गव ह्यन वॅनिथ छनु काँसि ज़ानान, वुहिथ गॅयि चानि पच़ि ऐ जाने जानान
पर्युन सीनस सपुद तस चानि होलु, चु डोलहस लोलु रस्त्यो अहदो कौलु

मे वॅर्यथम होलु सुत्य् परकालु पानस, कवो चुय लालु फोरहम बालु पानस
मुदा ऑसुय करुन्य् ऑखुर जुदॉयी, योहय छा सॉ तॅरीके हक अदॉयी

शिकस्तु दिल वॅरिथ तनाज़ो मगरूर, समन अंदामु ब्यब बॅरथस बज़ंबूर
हतो वावो चु क्या ज़ानख मे क्या गव, गॅमुत्य छिम वॉलिंजे दमगीरकी स्रव

बिहिथ कथ गुलशनस मंज़ गुल अंदाम, सही सरवुन सही अॅन्यज़्यम मे पॉगाम
ह्यसु डॅजरॉवुनस मस दिथ मसॉछिव्य्, बन्यम नै मल वुन्यम दामानु रिव्य रिव्य

छ्रेतु मशाल गॅयस यावुन व्यतु गोम, स्वतेयस वॅद्य वॅद्य शोरस ज़्यतु प्योम
तनूरस अश्कुनिस मंज़ छस हतब ज़न, वनस दॅदवन कोरुम तॅम्य् सरवि सब्ज़न

खज़ान च़ाम अच़वुन्य् सुय बहारस, सुली द्वह लूसिथुय गव पोह हारस
हुँदर ज़न गॅजसु श्रावुन आफताबु, ब-ताबम चूं तपद माही ब–ताबु

फ्वलुवुन्य् सुय बहारस अॅरनि रंग गोम, म्वलुलिस ऑशिकिस खॅज़रस श्रंग गोम
दु-हफ्तुचि ज़ूनि सर तुलिथुय ग्रुहुन प्योम, शोगूफस शीन गुलज़ारस क्रुहुन प्योम

हियि थॅर यावुनुन्य् कॅरथम बुर मे, ज़ुर ज़ुर सीम तन ज़ॉजुथ ज़ुर मे
शमा सूरत बु छस गरयान व सोज़ान, चू परवानु, सु बे परवानु बोज़ान

यॅबरज़ल तस बॅबूरनि मायि वॅजनस, फ्रेकुवुन्य् च़ॅर ग्रकुवुनि तावु तॅजनस
फ्वलुवुन्य पोशि थॅर छॅच़रॉवुनस बॅ, असुवुन्य वॅद्य वॅदी व्यसुरॉवुनस बॅ

सनोबर कामतन हॅज वीर कॅरनस, स्वनस सरतल गॅयम, तशहीर कॅरनस
सरुक पम्पोश ऑसुस फोजमुच़य हॉर्य, कॅरुस गरकाब गमे ख्वरशीद रवखसॉर्य

दुपहरन शाम मे गोम खाम कारे, दुरस गोम फोतु रूदुम तोतु हारे
गॅजुस कॅज कामु दीवुनि आमुनेयस, लोगुम दुर लावि मूरे आवुसेयस

कबाबुक्य् पॉठ्य तॅजुनस गुरम तावे, अडु दॅज़ च़ुन्य गॅयम सरमूरि लावे
च़ॅटिथ कॅम्य शॅत्रुनुय लोगुम मित्र मे, लॅदिथ तासस पेयम तोसस अॅथुर मे

तिथिस जानानुसुय रोस्तुय लसा बो, सु त्रॉविथ गॉरुनुय सुत्यन बसा बो
सु त्रॉविथ कर यियम नॅदुर तु नेह मे, सु त्रॉविथ शरबते शीरीन छु वेह मे

गुलिस्ताने बे ऱ्वखि गुल ऱ्वख छु ज़िंदान, सरीरुक न्वक्तु सँगीन तर ज़ि सिंदान
सु त्रॉविथ मंगु क्या यथ पॉट्च प्रंगस, सु त्रॉविथ माज़ु कर बॅ नक्शो रंगस

सु त्रॉविथ कर गुलन प्यठ दिल लग्यम मे, चो बुलबुल बाग छावुन कर तग्यम मे
बिहिश्ते जाविदां दोज़ुख चू बे यार, ब-तन ज़ंजीर ज़ेवर तख्त ज़न दार

बसर अफसर गमुक कर गॉरि दिलबर, ब-पहलू फरशि मखमल खार बसतर
सरासीमुह गॅयस जामन द्युतुम चाख, मॉलुम ऑयीनु खानस सूर तै खाख
व्यदाख ऑसुस दिवान हिजुरच करान ल्यल, व्वलो वॅरथस बुर ताज़ु यॅबरज़ल

☯ गुलबदन बेगम छि नोश लबि जानवर बनावान ☯

नोश लबि हुंज़ मॉज गॅयि तसुंद्य व्यदाख बूज़िथ जादय गज़बनाक। तमि वोन कोरि कुनः

वॅमी शॅत्रन चु अथ यिछि नावि वॉजिख
मित्र लॉगिथ वॅमी तचि तावि ज़ॉजिख
हया बर ताक थॉवुथ शर्म त्रॉवुथ
पॅरी क्रॉनिस खजालथ वातुनॉवुथ
वॅबीलस मंज़ चे पानस दाग थोवुथ
ब दुनिया नाव सोनुय मंदुछोवुथ
गॅयख अज़ कारे बद बदगारो बदनाम
थॅवुथ पानस पॅरी क्रॉनिस अंदर पाम

अमि पतु कोर गुलबदन बेगमि ज़बरदस्त लानु तानु कोरि। नोश लबि ओस ओश जॉरी। मॉज गॅयि नु कुनि सूरतस मंज़ तस मॉफी दिनस तयार। तमि पॅर माँथुर तु द्युतुन कोरि फ्वख। नोश लब बनेयि जानावार। माजि ज़ोन ज़ि अमी सुत्य् रोज़ि तसुंज़ कथ खॅटिथ।

तमि द्वह प्यठु वोत नोश लबि जानावार बॅनिथ दर दुनिया फेरान तु अजब मलिकस छ़ांडान। दॅहन वॅरियन फीर स्व बियाबानन, जंगलन, पहाडन, समंदरन तु बॅस्तियन, मगर कुनि जायि लॉब नु तमि तसुंद कांह नेब।

☯ मॉसूम शाहस छु नोश लबि हुंज़ दलील बूज़िथ सख असर गछ़ान ☯

जानावार (युस असली नोश लब छि) म्वकल्यव दॅलील बोज़ुनॉविथ। तॅम्य वोन मॉसूम शाहस ज़ि अज़ वॉत्य मे दह वॅरी येमी शक्लि। बु फीरुस चहारू तरफ मगर सु यार आम नु कुनि अथि। च़े कुन पेयम नज़र तु चॉनिस बुथिस मंज़ आम तसुंद अनहार ह्यू बोज़नु। लोल ह्यू च़ोलुम तु पनुन पान कोरुम ज़ोरु चॉनिस ज़ालस मंज़ गिरिफतार।

मॉसूम शाह गव जानावारु सुंदिस राज़स वॉकुफ। तॅम्य् द्युत तस दिलासु:

दोपुन तस रोज़ ख्वश गम त्राव सॉरी
करय बु अथ गमस मंज़ गम गसॉरी
मुसॉफिर लॉगिथुय हमराह ह्यमथ बॅ
सु दिलबर चोन छ़ांडन हर सिमत बॅ

मॉसूम शाहन कोर जानावरस सुत्य वादु ज़ि सु वातुनावि तस अजब मलिकस निशि। मगर जानावारस ओस नु यकीन ज़ि मॉसूम शाह ह्यू मॉसूम इनसान हेकि अजब मलिकस छ़ाँडिथ। जानावारन वॅन्य तस मिसालि पॉठ्यन अख दॅलील।

☯ हाजथ ☯

दपान अख बुर्ज़गाह ओस। नाव ओसुस इब्राहीम। बाह वॅरी गॅयी, तसुंदिस नफ़ुसस गॅयि अख दॉन खेनुच खॉहिश। द्वहय रूद सु बुज़र्गस दॉन मंगान, अख दॉन, च़ोक या मोदुर। मगर बुर्ज़गन वॅर नु ज़ांह तसुंज़ खॉहिश पूर। अकि द्वह गव इब्राहीम अॅकिस दरवेशस निशि। दरवेश ओस ब्यमार। सलामाह वॅरिथ प्रुछ़ इब्राहीमन तस ज़ि कांह तमन्ना मा छुय, बु करुहॅय सु पूर। दरवेशन दोपुस, 'मरहबा छुय अथ लियाकतस। पनुनि नफसुक हाजथ कडनुक छुय नु ताकत, तु लूकन छूख साल करान। युस नफर नु पनुन हाजथ पूर हेकि वॅरिथ, सु क्याह करि बेयिस।'
यि दॅलील बोज़ुनॉविथ वोन जानावारन मॉसूम शाहसः

दोपुन मॉसूम शाहस कुन ब तॉज़ीम
मे हाजथ नेरि नु पानस च़े छुय बीम
बनी नु यस कडुन हाजथ पनुन ज़ांह
मुरादे दिल वनुन तस हॉसली क्याह

मॉसूम शाहस लॅज जानावारु सुंज़ कथ दिलस मगर ह्यमथ हॉरुन नु कॅह। तॅम्य वोनुस दरजवाब ज़ि च़े छय असली तल पानस ईमानुच वॅमी। ख्वदा छु प्रथ अॅक्य सुंज़ मुराद पूर करन वोल। प्रथ रॉच़ पतु छु गाश फ्वलान तु अनिगोट खत्म गछ़ान। ऑखुरस छु ती सपदान यि ख्वदा सॉबस करुन छु आसान। अथ प्यठ ह्यॅच़ मॉसूम शाहन जानावारस अख दॅलील बोज़ुनावुन्य।

☯ हारून रॅशीद तु शाहज़ादु ☯

दपान अख बादशाह ओस। नाव ओसुस हारून रॅशीद। सु ओस स्यठाह ॲमीर, सॅखी तु रहमदिल। ख्वदायि सुंज़ इबादथ ति ओस स्यठाह करान। दपान अकि द्वह ओस सु ॲकिस बागस मंज़ खलवत बिहिथ इबादथ करान ज़ि तस ब्रोंठु कनि गव अख जानावार ज़ॉहिर। जानावार ओस स्यठाह खूबसुरथ। कलु ओसुस सब्ज़ रंगु तु पखु आसस व्वज़जि। हारून रॅशीदस तंबुल्यव जानावारस वुछिथ दिल। युथुय जानावार हारून रॅशीदस ब्रोंठ कुन आव, तॅम्य दिच़ तस थफ तु रॅटनस ज़ंग। जानावार गव वुडिथ तु हारून रॅशीद रूद तसुंज़ ज़ंग रॅटिथुय अवेज़ान। जानावार खोत वारियाह थोद तु रूद वुडान। बादशाह गव दम फुट्य। ज़ंग यलु त्रावुनस ति ओसुस नु वार। ॲछन गोस अनिगोट तु पनुनि ज़िंदुगी हुंज़ व्वमेद त्रॉवुन। ऑखुरस करि तॅम्य पनुनि ॲछ बंद।

हॆचन नु चॆश्मु मुच़रिथ त्यूत गव तंग
न ज़ोनुन वार तस अथु त्रावुनस ज़ंग

छु सार्यन टोठ ऑखुर जाने शीरीन
सु दुनियादार ऑसिन या सु मिसकीन

जानावार गव समंदरु पॆठ्य वुडान तु ऑखुरस वोत सु अकिस ज़ुविस मंज़। बादशाहन यॆलि पानस तलु कनि ज़ॅमीन वुछ, तस च़ौल वसवास। जानावार वोथ ज़ॅमीनस प्यठ तु बादशाहन त्रॉव तस थफ यलु। पनुन पान सॅही सलामथ वुछिथ कोर तॅम्य मॉलिकस कुन शुकुर। जानावार च़ौल वुडिथ वापस। बादशाहन सूंच पानस सुती ज़ि खबर कांह ग्वनाह मा आस्यम कोरमुत तु तमिकुय सज़ाह छुम अज़ मेलान। पनुनिस पानस द्युतुन तसलाह ज़ि यि मॉलिकन ल्यूखमुत आस्यम ति वात्यम।

हारून रॅशीद ओस वुनि सोंचानुय ज़ि तस गॅयि नाव पकनुच आवाज़ कनन। तॅम्य दिच़ समंदरस कुन नज़र। ॲकिस नावि मंज़ ऑस्य वारियाह नफर तु ज़ुविस निशि वॉतिथुय वॅथ्य तिम नावि मंज़ु ब्वन। तिमन मंज़ ओस अख शाहज़ादु तु बाकय तसुंद्य ॲमीर तु वॅज़ीर। वुछान वुछान आव शाहज़ादु संदि खॉतरु अख ऑलीशान सायेबानु लागनु।

पॅथरिस आव मखमली फर्श करनु तु अख तख्त लागनु। शाहज़ादु ब्यूठ तख्तस प्यठ। बाकय सॉरी रूद्य इसतादु। अमि पतु ह्योत तिमव अॅमीरव तु वॅज़ीरव शाहज़ादस र्वख्सथ तु द्रायि नावि क्यथ वापस।

हारून रॅशीद गव हॉरान ज़ि शाहज़ादु क्याज़ि रूद यिथिस बियाबान ज़ुविस मंज़ कुनुय ज़ोन? सु गव तस ब्रोंठकुन। सलामाह वॅरिथ ओस वुनि बादशाहस कॅह वनुनय ज़ि शाहज़ादन प्रुछुस च़ु कुस छुख तु यथ वॉरान ज़ुविस प्यठ क्याह छुख कुनुय ज़ोन करान।

कुनुय ज़ोन, सुॅत्य छुय ना कांह रफीका
न यारा दोॅस्ता नय कांह शॅफीका

बादशाहन वोनुस नु पोज़ कॅह। दोपुनस बु छुस अख सोदागर। बु ओसुस माल जादाद ह्यथ अॅकिस जहाज़स मंज़ पकान ज़ि वावु तूफान आव। म्योन जहाज़ु गव माल असबाब तु म्यॉन्य नोकर ह्यथ समंदरस पॅटिथ। बु बचोस बडु मुश्किलन तु वोतुस यथ ज़ुविस प्यठ। च़ु वुछिथ गोम दिल स्यठाह ख्वश, तमी आस च़े निशि लारान।

शाहज़ादु ति गव हारून रॅशीदस वुछिथ ख्वश। दोपुनस, माल जादादुच मु बर फिकिर कॅह। बु करय चोन सोरुय न्वखसान पूर। च़ु थव पनुन दिल शाद।

हारून रॅशीदन वोनुस, बु ओसुस ग्वडय ज़ॉनिथ ज़ि च़ु गछ़ख शाहज़ादु आसुन। व्वन्य वनतम च़ु क्याज़ि आख योर तु कुनुय ज़ोन क्याज़ि ब्यूठुख यथ वॉरान जाथस मंज़?

सबब वनतम बिहिथ छुख क्याज़ि तन्हा
न हमदम सुॅत्य् छुय, न हम सुखन हा
ब तन्हॉईं व वहदत क्याह मुदा छुय
पनुन छुयि ज़ोक किनु शोके खुदा छुय

शाहज़ादन वोनुस, बु छुस फलां मुल्कुक शहनशाह। म्यॉन्य सलतनथ छि स्यठा बॅड तु मे ताबेह छि वारियाह दाना तु ऑकुल। म्यॉन्य वॅज़ीर छि स्यठाह मुदबिर तु मसलहत अंदेश।

तिमन निशि छुनु कांह राज़ छुपिथ। तिमुवय वोन मे ज़ि यि नोव र्‌यथ छु मे प्यठ गोब तु यथ र्‌यतस म्योन पनुनिस मुल्कस मंज़ रोज़ुन छुनु जान, तिक्याज़ि मे छु हारून रॅशीदुनि तरफ़ु इज़ाह वातन वोल। अगर बु पनुनिस मुल्कस मंज़ रोज़ु, सु छ़ुनि मे मॉरिथ। म्यान्यव वॅज़ीरव कोर सलाह तु बु वातुनोव हस यथ ज़ुविस मंज़, योत नु सु हेकि वॉतिथ।

सॅमिथ तदबीर ठॅहरॉवुख वॅज़ीरव
तिमन म्योनुय गरे नेरुन सलाह प्यव
सलाहे नेक वोनुहम छुय च़े बेहतर
सोकूनथ मंज़ ज़ुविस माहस नॅविस कर

हारून रॅशीदन बूज़ शाहज़ादु सुंज़ि ज़ेवि पनुन नाव तु गव हॉरतस। तस ओस नु शाहज़ादस सुत्य कांह अदावथ तु सु मारनुक ओस नु सवालुय पॉदु गछ़ान। तॅम्य सूंच ज़ि शाहज़ादु संद्यव वॅज़ीरव छु तसुंद ताज तख्त ख्यनु खॉतरु यि चाल कॅरमुच़। अमी छुख सु यूत दूर ॲनिथ यथ ज़ुविस मंज़ त्रोवमुत। मगर तॅम्य वोन नु शाहज़ादस अथ मुतलिक कैंह।

शाहज़ादु ओस ख्वश ज़ि सु छु तथ जायि बिहिथ योत नु कांह हेकि वॉतिथ। तॅम्य कजि तिमु सारेय शॉही ज़ियाफतु न्यबर, यिम तॅम्य ॲकिस र्‌यतस ख्यनु बापथ सुत्य आसु अनिमच़ु। अथ मंज़ ऑस्य कबाबु, नान, बिरयॉन्य , क्वकर बेत्री प्रथ कांह चीज़ मूजूद। शाहज़ादन कोर हारून रॅशीदस साल। दोपुनस च़ु आसख खबर कूति कालुक फाकय। पख ब्रोंठ कुन तु वुछ मज़ु यिमन शॉही ज़ियाफतन हुंद।

अमि पतु ह्योत शाहज़ादन माज़ रानि मंज़ु श्राकपुचि सुत्य अख अख टुकरु च़टुन तु हारून रॅशीदस पानय आपरावुन।

कलम त्राशा कोडुन नोज़ुक स्यठाह तेज़
वुरिथ तथ माज़ आपुरनस कॅरिथ तेज़

शराबुक दौर सपुद शुरू। हारून रॅशीद गव ज़ियाफतु ख्यथ शाहज़ादु सुंद स्यठाह ममनून। दॊपुनस, 'चॉन्य् मॆहमान नवॉज़ी वुछिथ सपदुस बु स्यठाह ख्वश। व्वन्य छु म्योन ति फर्ज़ ज़ि बु कर् चॉन्य कैंह खॅदमथ।'

सपुन हारून रॅशीद ममनूने एहसान
दॊपुन शाहज़ादस ऐ यारे वफादार
च़े मॆहमान दॉरिया कॅरथम ब खूबी
मावज़ु खॅदमथाह च़े ति म्यॉन्य शूबी

हारून रॅशीदन वॊन शाहज़ादस ज़ि यिथु पॉठ्य च़े आपुरॉविथ मे लोलु सान माज़ फॅल्य्, तिथय पॉठ्य आपरय बु ति वापस। शाहज़ादन द्युतुस इजाज़थ। हारून रॅशीदन तुल श्रापुकुच नोखस प्यठ अख अस्ल ह्यू माज़ फॊल तु आपरोवुन शाहज़ादस। क्वदरतु सुंद करुन सपुद युथ ज़ि अमी सातु पॆयि शाहज़ादस प्वंद। श्राख च़ायि तसुंदिस तालस तु सु प्यव खून हारान पथर तु मूद।

कज़ा ज़ांह फेरि नु हरगिज़ ब तकदीर
कज़ा लारान पतु ािरान छु तकदीर

हारून रॅशीदस प्यव स्ठाह दूख। सु गव ख्वदावँदी प्यठ हॉरान। पननिस पानस प्यठ गॅयि तस शरमंदगी ज़ि नाहक खॊत तस शाहज़ादु सुंद खून कलस। तस आव व्वन्य समुज ज़ि जानावारन क्याज़ि ओस सु अथ ज़ुविस प्यठ वातुनोवमुत। अमी वख्तु प्यव सु जानावार बॆयि ओर वॉतिथ। हारून रॅशीदस च़ॊल व्वन्य पननि ज़ुवुक लरज़ु। तॅम्य वॅर जानावारस ज़ंगि थफ। जानावार गव वुडिथ तु वातुनोवुन सु वापस पननिस बागस मंज़।

गुलिस्तान डीशिथुय मसरूर गव शाह
ब हॉरथ ओस, कौत वोतुस वुछुम क्याह

☯ मोसूम शाह छु नोश लब ह्यथ नेरनुच सखर करान ☯

दास्तान खत्म वॅरिथ वोन मोसूम शाहन नोश लबि कुन ज़ि येमिस यि मुकदरस मंज़ आसि, तस ति वाति। हरगाह चॉनिस कुस्मतस मंज़ ति च़ै यारस निशि वातुन लीखिथ आसिय, तेलि वातुनावी बे शक ख्वदा तस निशि। यि वॅनिथ त्रोव मोसूम शाहन डाफ तु पेयस नेंदुर।

सुबहस येलि संगर फोल्य, मोसूम शाह गव बेदार। सु वोत बेयि जानावारु सुंदिस पंजरस निशि तु पृछुन तस ज़ि अज़ रातस वॅरुथा च़ै नेंदरि ज़्वलाह किनु किही नु? जानावारन द्युतुस जवाब:

दोपुस तमि यस बुछिथ च़लि कालु शाहमार
तॅमिस आरामु सुय सुत्यन छु क्याह कार
दज़ान युस लोलु नारस मंज़ छु हर दम
तॅमिस क्युत छुय जहानुक ऑश मातम

जानावारु सुंदिस रुपस मंज़ ऑस नोश लब वदान तु रिवान। तस ओस सॅर्य पेठ्य सॅहलाब गोमुत। स्व ऑस अजब मलिकस समखनु खॉत्रु बे करार। मोसूम शाहस लॅज तसुंज़ हालत वुछिथ दिलस नवि सरु ग्राय। सु द्राव यकदम न्यबर कुन तु सफरुच तयॉरी करनुक द्युतुन होकुम।

येलि सिर्यि लोसुनस त्यैार ओस, मोसूम शाहन तुल जानावारु सुंद ठ्युप अथस क्यथ तु द्राव सफरस। ग्वलाम तु खॅदमथगार आयि सुत्य् तुलनु।

मोसूम शाहन रॅट बैयतुल अमानुच वथ। सफर ओस स्यठाह क्रूठ। थख दिनु वरॉय रुद्य तिम रातस द्वहस पकान। ग्वलामन रूज़ नु व्वन्य ब्रोंठ पकुनस किच़ कांह सूरथ। अकि अकि ह्योत तिमय सारिवुय पथ फेरुन। मोसूम शाह रूद व्वन्य कुनुय ज़ोन। तॅम्य रोट ठ्युप पनुनिस कलस प्यठ तु रूद वारु वारु कदम दिवान। येलि दिलस मंज़ इरादु प्वख्तु आसि, क्वदरथ ति छु मदद करान। अमी प्वख्तु इरादु सुत्य वोत ऑखुरस मोसूम शाह ति

बैयतुल अमान। ठ्युप त्रोवुन पानस दूर ॲकिस कुल्य लंजि तिथु पॉठ्य् अलूंद ज़ि काँसि हुंज़ नज़र पेयस नु। अमि पतु द्युत तॅम्य थख। बैयतुल अमानु क्यन जिनन यामथ तस प्यठ नज़र पेयि, तिम आयि तस मारनु खॉतरु तु कोरहॅस अँद्य अँद्य गेरु। अमि पतु पृछुहस ज़ि च़ु कुस छुख तु यथ मुल्कस मंज़ क्या करनि आख।

मोसूम शाहन वोनुनख ज़ि बु छुस स्यठाह खॉरी तुलिथ यथ जायि वोतमुत। नोश लब छम सुत्य तु म्योन मुदा छु तसुंज़ि माजि समखुन। नोश लबि हुंद नाव बूज़िथ गॅय तिम स्यठाह ख्वश तु लारान लारान वातुनॉवुख यि शेछ नोश लबि हुंज़ि माजि ताम।

खबर येलि कोरि हुंज़े माजि बूज़ुन
वॅनीज़ाह शाहज़ादस निशि सूज़ुन

वॅनीज़ वॉच़ मोसुम शाहस निशि तु सु ओनुन पानस सुत्य नोश लबि हुंजि माजि गुल बदन बेगमि निशि। गुलबदन बेगम गॅयि मोसुम शाहस वुछिथ स्यठाह ख्वश। स्व ऑस कोरि हुंज़ शेछ बोज़नु खॉतरु बे करार।

ब जल्दी कोरि हुंद पॉगाम वनतम
गॅयस बे ताब नारस आब छुनतम

दोपुस तमि क्याह च़े छुय पॉगाम ओनमुत
जिगर छुम बहरे द्वख्तर खून सपुनमुत

मोसुम शाहन वुछ तसुंज़ बे करॉरी तु वोनुनसः

दोपुस तॅम्य छम मे ॲन्यमच़ सुत्य् पानस
ब सख्ती वॉत्य् ॲस्य् बैयतुल अमानस
सफर योद सख्त द्वन वॅरियन कोडुम क्रूठ
मे गॅय कोठ्य छ़ोटच अदु दौरान गमुक ज़्यूठ

गुल बदन बेगमि लजि अॅछ दरस। तमि कोर मोसूम शाहस ज़ारु पारु ज़ि मे करुनावतु कोरि हुंद दीदार। तस सुत्य वादु वॅरिथ द्राव मोसूम शाह तु ठ्युप ह्यथ आव वापस। माजि येलि कोरि हुंज़ हालथ वुछ, तस च़ॅज वदन बाख नीरिथ। अथु थोद तुलिथ पोरनस दुआ तु नोश लब आयि पनुनि शक्लि मंज़ वापस। अमि पतु रॅट तमि स्व नालुमति तु वॅर्यनस म्वन्य् तु मीठ्य।

वोदुख डीशिथ अॅकिस अख माजि कोर्यव
च़े तु मे वुछ तु दूर्यर क्याह ज़रुन प्यव
जुदॉयी वुछतु क्या गॅयि ज़िंदु पानय
लीखिथ ती ओस नाहक गव बहानय

माजि आयि नु पछ़ ज़ि मे वुछा कूर वारु कारु ज़िंदय। कोरि आयि नु पछ़ ज़ि मे गॅया बेयि माजि सुत्य मुलाकात। द्वशवय येलि अख अॅकिस लोल बॉगुरॉविथ म्वकलेयि, तमि पतु पृछुनस माजि ज़ि येम्य नफरन च़ु योर वातुनॉवनख, सु कुस छु तु कत्युक छु रोज़न वोल ? नोश लबि वोनुनस ज़ि सु छु नख्शब मुल्कुक शाहज़ादु तु नाव छुस मोसूम शाहः

वनय क्याह क्युथ छु मॉलिस टोठ फरज़ंद
ब ज़ॉरी छुन यि मॉगमुत अज़ ख्वदावंद
यि द्युतुमुत छुय तिमन मँग्य् मँग्य् ख्वदायन
वुछान ऑसिस तिमय छ़ायन तु ग्रायन

अमि पतु बोज़नॉव नोश लबि मोसूम शाहुन्य सारुय दॅलील माजि ज़ि तिमन किथु पॉठ्य सपुज़ पानुवॅन्य मुलाकात तु किथु पॉठ्य वॉत्य तिम योर। यि बूज़िथ सपुज़ गुलबदन बेगम मोसूम शाहस शुक्र गुज़ार।

यि मुश्किल गोम चाने सुत्य् आसान
बु कॅरथस वारयाह ममनूने एहसान
दुबारु ज़िंदुगॉनी अज़ च़े दिच़थम
फिदा सपनय मे लादन चॉन्य् बड छम

गुलबदन बेगम ऑस तीच़ ख्वश ज़ि तस आव नु पथ ब्रोंह किहिन्य लबनु। तमि वॅर अमी वख्तु नोश लब मोसुम शाहस हवालु ज़ि गछ़ बु छसुनय च़े पनुन्य कूर बख्शान। मगर मोसूम शाहस ऑस नु नोश लब मंज़ूर। तॅम्य दोपुस ज़ि मे छु तस कुन बेनि गँज़रिथ वुछमुत। बु किथु ह्यकु तस सुॅत्य् खांदर वॅरिथ। म्यानि बदलु करतन स्व तॅस्य बुलबुलस हवालु येम्य् सुंद दाग तसुंदिस दिलस मंज़ छु, तु यसुंदि म्वखु तॅम्य् यीच़ खॉरी तुज।

गुलबदान बेगम गॅयि अथ कथि तैयार मगर दोपुनस अजब मॅलिकुन्य छम नु कांह खबर ज़ि सु छा ज़िंदय किनु मूदमुत। दोपुनस सु ओस मे तुरकिस्तानस अंदर कुनुय ज़ोन अॅकिस वॉरान जायि त्रावुनोवमुत। तमि पतु क्याह गुदर्यव तस, मे छनु किहिन्य पताह। मोसूम शाहन वोनुस ज़ि अगर म्योन बोज़ख, अख कॉसिद करुन तैयार युस बहरीन मुल्कस गॅछ़िथ नाज़ मस्ति निशि पॉगाम नियि। मे छु पूर यकीन ज़ि हरगाह अजब मलिक ज़िंदु आसि, सु आसि यकीनन नाज़ मस्ति समखुनि यिवान तु तवु किन्य आसि नाज़ मस्ति तसुंज़ पूर खबर।

नोश लबि ल्यूख नाज़ मस्ति खॉतरु खत। अथ खतस मंज़ ल्यूख तॅम्य पनुनि दिलुक हाल तु तस वॅरुन गुज़ॉरिश ज़ि म्यॉनिस बालु यारस वातुनावतु म्योन पॉगाम। अथ खतस मंज़ थोव ज़न तु तमि पनुन दिल वॅडिथ:

वोसिये गुलन आवय बहार
अज़ सालु अनतन बालु यार
वॅल्य वॅल्य अनुन फॅल्य् लालु ज़ार
अज़ सालु अनतन बालु यार
तस कुन मे कल छम राथ द्यन
छस तंबुलेमुच़ कर वुछन
यिमुहस पतय तथ छुम नु वार
अज़ सालु अनतन बालु यार
परवानु रोयस गथ करस
तथ शमा रोयस तल मरस

छम कल तॅहुंज़ म्वल छुम नु हार
अज़ सालु अनतन बालु यार

तॅवील खत लीखिथ आव सु कॉसिदस अथि बहरीन मुल्कस मंज़ नाज़ मस्ति वातुनावनु। नोश लबि हुंद खत पॅरिथ होर तमि अॅछव किन्य खून। कॉसिदस निशि लोग तस पताह ज़ि अजब मॅलिक ओस नेंदरि मंज़ुय तुलिथ तुरकिस्तान वातुनावनु आमुत तु तमि पतु छनु तसुंज़ कांह खबर। वुनि ऑस नाज़ मस्त कॉसिदस सुत्य कथुय करान ज़ि अख वॅनीज़ आयि नाज़ मस्ति शेछ ह्यथ ज़ि अजब मॅलिक छु बरस प्यठ वॉतिथ प्योमुत।

शेछ वॉतिथुय दोरेयि नाज़ मस्त देवानन हुंद्य पॉठ्य तु वॉच़ अजब मलिकस निशि। अजब मलिकस ओस बुथ ज़रद्योमुत। नाज़ मस्ति रोट सु बॉय सुंद्य पॉठ्य नालुमति। तमि पतु न्यून सु पानस सुत्य हरम खानस मंज़ तु पृछुनस हाल। अजब मलिकन वॅनिनस पनुन्य दॅलील। दोपुनस बु तुलहॅस नेंदरि मंज़ुय तु द्युतुहस अॅकिस वॉरान जाथस मंज़ दॉरिथ। मगर ख्वदायस ओसुस बु ज़िंदु थावुन तु तमी बचोस। बु फ्यूरुस तमाम आलुमस पनुनिस दिलबरस वॅन्य दिवान मगर सु ड्यूठुम नु कुनि, तु न म्यूलुम तसुंद कांह नेब।

अजब मलिकुन्य कथ बूज़िथ वॅनिनस नाज़ मस्ति नोश लबि हुंज़ शेछ। तमि पतु होवनस सु खत युस नोश लबि तस ओस सूज़मुत। अमि पतु ल्यूख नाज़ मस्ति योरु खतुक जवाब तु सुती ल्यूखुनस अजब मॅलिकुनि तोर यिनुक वाकह तु तसुंद हाल।

बुलबुल गुलन छु गारन, परवानु शमा छ़ारन
बोंबुर हमेशु लारन यॅंबुर ज़लन मुबारक
माह रोयि हाव नोन म्वख, ज़ांह कर बलन तिमन द्वख
जिगरस लगन यिमन छ्वख, प्यठ त्योंगुलन मुबारक

खत आव कॉसिदस अथि नोश लबि निशि सोज़नु। तमि युथुय खत पोर तस फ्यूर बुथिस ग्वलॉब्य रंग। दोरान दोरान गॅयि तु होवुन सु खत पनुनि माजि। तमि पतु बोवुन तस खतुक मज़मून। गुलबदन बेगमि बुलोव मोसुम शाह तु वॅनिनस सॉरुय दॅलील। पतु वोनुन तस ज़ि चु थोवुमख मख्तार, व्वन्य वनतम चुय बु क्याह करु ? मोसूम शाहन वॅरनस नॅसीहथ।

दॊपुनस ज़ु दिल पानुवॅन्य मिलावुनस मंज़ गछ़ि नु तॉखीर युन करनु। ॲस्य गछ़व माल व जाह, जहाज़ व सिपाह व सलतनथ ह्यथ मुल्के बहरीन तु करनावोख ज़ु जान पानुवॅन्य मुलाकात।

गुल बदन बेगमि आयि मोसूम शाहुन्य कथ पसंद। स्व गॅयि तु वॅनिन यि कथ पनुनिस खानुदारस। द्वनुवय गॅयि अमि कथि बापथ रॉज़ी ज़ि नोश लबि गछ़ि अजब मलिकस सुत्य खांदर करनुक इजाज़थ युन दिनु। मोसूम शाहस आव अथ रुतिस मशवरस प्यठ कॉफी ज़र तु ज़ेवर दिनु।

प्रथ तरफु सपुद शॉदियानुक माहोल। नोश लब आयि पॉरावनु तु महारॆन्य बनावनु। तस आयि कोफूर संदल तु ॲत्र मलनु, तु शाहानु पॊशाक तु ज़ेवर लागनु।

प्रज़लवुन हूर बुथ ज़न नूरि मशाल
ज़ि जलवह ऑस नेरान नारु वुज़मल
पॅरी रुवख क्याह सपुन्य माह पैकराह ज़न
प्रयिवुन्य ख्वश यिवुनय पोशि थॅराह ज़न

अहलो अयाल तु महारॆन्य ह्यथ द्रायि वारु कारु गुल बदन बेगम बैयतुल अमानु प्यठु तु वॉत्य मुल्के बहरीन। मोसूम शाह ओसुख सुत्य। यॆलि तिमव पनुन लशकर ह्यथ बहरीनस मंज़ कदम त्रोव, प्रथ तरफु वॊथ शोर। नाज़ मस्ति हुंदिस मॉलिस सिपाह सालारस वॉच़ शॆछ ज़ि नोश लब छि मोल मॉज ह्यथ शहरस मंज़ वाच़मुच़। सु द्राव पानु तिमन ख्वश आमदीद वनुनि।

अजब मॅलिक आव मोसूम शाहस निशि तु वॅरिनस ख्वरन मीठ्य।

दुआ कोरनस ख्वरन तल त्रोवनस सर
च़े बॅलरोवुथ मे सॊनमुत ॲश्कुनुय ज़र

अमि पतु आव खांदरुक संज़ करनु। नाज़ मस्ति हुंद मोल सिपाह सालार बन्यव गोबरु यॅज़मन। शॉही ज़ियाफतन हुंद आव इन्तिज़ाम करनु। महाराज़ु आव पॉरावनु। मजलिसो महफिल आयि सजावनु। शरबतो शीरीं आयि वफूर बॉगरावनु। साज़ंदव सजॉव पनुन्य् महफिल। नोश लबि हुंद मोल सपुद पनुन ज़ामतुर अजब मॅलिक वुछिथ स्यठाह मसरूर तु शाद। तॅम्य मंगुनॉव्य कॉज़्य तु तिमव कोर अजब मॅलिकस नोश लबि सुत्य् निकाह। प्रथ तरफ़ु सपुज़ शॉद्य तु पॅरियव लोग वनवुन।

मॅति निखु तूर्य किनु च़ुय यिख यॉतुये
दिल गोम मॉतुये मेलख ना
कनु बोज़ वनुवुन क्याह छुय रुतये
दिल गोम मॉतुये मेलख ना

यिथु पॉठ्य सपुद बाह वॅरी जुदॉयी तु तकलीफ तुलिथ अजब मॅलिकस तु नोश लबि म्युल। तिहँज़ि वॉरान ज़िंदुगी मंज़ आव नोव बहार:

ब-यकजा मील्य बॉबुर तय यँबुरज़ल
ब फुरसथ बीठ्य छॉविख ही तु मसवल
द्वयव तशनु लबव चव वसलुकुय आब
फिराकुक राह च़ॉलुख गॅय सब्ज़ो सैराब

खांदरु पतु वॅर नाज़ मस्ति हुंद्य मॉल्य सिपाह सालारन नोश लबि हुंदिस मॉलिस मशहूर शाहस दावथ। मशहूर शाह आव अजब मॅलिक तु मोसूम शाह ह्यथ। सिपाह सालारन ओस कुस्मु कुस्मुक्यन ज़ियाफतन तु शरबतन हुंद इन्तिज़ाम कोरमुत।

मोसूम शाह द्राव मजलिसि मंज़ु न्यबर तु गव पोशि बागस कुन सॉलाह करनि। अति गॅयि अॅमिस अॅकिस ज़नानि हुंदि ग्यवनुच आवाज़ कनन। मोसूम शाह पोक ब्रोंठ कुन। दूरि वुछिन नाज़ मस्त वॅनीज़न मंज़ बिहिथ ग्यवान। मोसूम शाह वोत तस निशि तु द्वशवॅन्य पेयि अख अॅकिस प्यठ नज़र।

यॅमिस तस कुन नज़र पॅयि तस यॅमिस कुन
सॉनुख द्वशवॅन्य् दिलन तॉसीर अॅश्कुन
यॅमिस गुल रोयि दिल गव पारु पारु
तॅमिस मानंदे बुलबुल खारु खारु

द्वशुवय गॅय अख अॅक्य सुंदिस अॅश्कस मंज़ गिरिफितार। वुछान वुछान गव तिमन लोलु नारु सुत्य गॉयलु तु द्वशवय आयि पथर लायिनु। वॅनीज़व तुल शोर। क्रख बूज़िथ आयि मजलिसि मंज़ बिहिथ लूख लारान लारान। कॅह गॅय नाज़ मस्ति निश तु कॅह मोसूम शाहस निश। अजब मॅलिकन रॉट मोसूम शाह ख्वनि मंज़ तु दिच़नस शरबथ चॅन्य। तमि पतु कॉर तॅम्य मोसूम शाहस निशि तसुंदि दिलुक राज़ मोलूम।

अजब मॅलिक वोत सिपाह सालारस निशि तु वॅनिस तस मोसूम शाह तु नाज़ मस्ति हुंदि अॅश्कुच कथ। तमि पतु वॅरुन तस गुज़ॉरिश ज़ि नाज़ मस्त गछि यिन्य मोसूम शाहस बख्शनु। सुती वॅर तॅम्य नाज़ मस्ति हुंज़ि ल्वकचि बॅनि मस्त नाज़ि हुंज़ कथ ति पनुनिस दोस्तस रासख सुंदि खॉतरु। सिपाह सालार गव द्वशवुन्य कथन मंज़ रॉज़ी।

मोसूम शाहस सपुद नाज़ मस्ति सुत्य् तु रासुखस सपुद मस्त नाज़ि सुत्य खांदर। पछस अॅकिस रूद्य यिम अॅती तु अमि पतु प्यव तिमन पनुन पनुन गरु याद।

त्रॅ बुलबुल गॅय त्रॅ गुल ह्यथ हुस्नु वारे
त्रॅयव तोतव नियख ज़ीनिथ त्रॅ हारे

त्रॅशवय वॉत्य् पादशाहन निशि तु वॅरुख तिमन र्वखसथ दिनु खॉतरु गुज़ॉरिश। दॉपुहख असि छु पनुनिस पनुनिस मॉलिस माजि हुंद स्यठाह लोल आमुत। अॅस्य छि यछ़ान पनुन पनुन गरु वापस गछुन युथ अॅस्य पनुनिस मॉलिस माजि हुंद हक नखु वॉलिथ हेकव:

इजाज़थ गोछ़ करुन असि मॅहरबॉनी
सु हक नखु वालुहव दर ज़िंदुगॉनी

बादशाहव द्युत वछ़ि वॉलिंजि तिमन इजाज़थः

तिमव फरमोवुहख छिवु पानु म्वखतार
करुन असि शूबि नु अथ जायि इनकार

सुती वॅर बादशाहव तिमन गुज़ॉरिश ज़ि सानि कोरि छे नाज़व सुत्य पालनु आमचु तु युथ नु यिमन ज़ांह दिल फुटरॉविव। अजब मॅलिकन, मोसूम शाहन तु रासुखन कोर अथ कथि यकरार। सुती वॅरुख पनुन्यन गरिक्यन पनुनि वापसी हुज़ शेछ। अमि पतु आयि तिमन हुंदि नेरनुच सखर करनु। तिमन आयि खसुन्य कित्य गुर्य, शॉही ज़ाँपानु, खज़ानु तु कुमती सामानु सुत्य दिनु। अजब मॅलिक तु रासख द्रायि नोश लब तु मस्त नाज़ ह्यथ तुरकिस्तान कुन तु मोसूम शाह द्राव नाज़ मस्त ह्यथ नख्शब कुन। सॉरी वॉत्य पनुन पनुन मुल्क वापस येति त्युहुंद शाहानु इस्तेकबाल आव करनु तु तॅथ्य सुत्य आयि जश्न तु शॉदियानु करनु।

==========

मकबूल शाह क्रालुवार्य सुंज़ लीछिमुच़ मसनवी

दास्तान-ए-गुलरेज़

==========

Source: 'Gulrez' - compiled by Mohd. Yousuf Teng and 'Kashmiri Zaban Aur Shairi, Vol: 3' - authored by Abdul Ahad Azad, publications of J&K Academy of Art, Culture & Languages, Srinagar.

Condensed & Rewritten in Devanagari-Kashmiri by M.K.Raina

Work completed on 1.1.2005. Revised 15.11.2005